हिंदी

व्याकरण एवं रचना

4

With the blessings of :
Our Parents

हिंदी
व्याकरण एवं रचना
4

Copyright@Publishers

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced or transmitted in any form or by any means without prior permission in written. Any person who does any unauthorised act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

Limits of liability and Disclaimer of Warranty:

The Author, Editor, Designer and the Publisher of this book have tried their best to ensure that all the texts are correct in all respect. However, the author and the publisher does not take any responsibility of any mistake, if happened. The correction of mistakes, if found will duly be done in the next edition.

MADE IN INDIA

Support Recycle

Save a Tree
Save the Earth

One Ton of this Paper Saves 17 trees

Max Retail Price: On Back Cover

Edited by:
Editone International Pvt. Ltd.

Based on:

- National Education Policy 2020
- NCF 2022
- Activity Based Format
- Innovative Approach
- Learning with fun
- Eco Friendly Paper

आमुख

भाषा को समझने हेतु व्याकरण एक मजबूत कड़ी है। बिना व्याकरण को समझे हम भाषा को सरल एवं स्पष्ट रूप से नहीं समझ सकते। इसी को ध्यान में रखते हुए 'हिंदी व्याकरण एवं रचना' (कक्षा 1 से 8) तैयार की गई है।

इस शृंखला में नई शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख मापदंडों का बड़ी सटीकता से पालन किया गया है। नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित इस पुस्तक में व्याकरण की प्रमुख इकाइयों को बड़े ही सरल, सहज एवं रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। इस शृंखला में व्याकरण को चित्रों के माध्यम से बड़े ही सहज भाव से तैयार किया गया है ताकि बच्चों को व्याकरण की जटिलता का तनिक भी आभास न हो।

पाठ के प्रस्तुतीकरण में शामिल 'पढ़िए और समझिए' के द्वारा बच्चों को चित्रों के माध्यम से संपूर्ण अध्याय को सरल एवं सहज रूप से समझाने का प्रयास किया गया है ताकि बच्चों का पाठ से जुड़ाव आसानी से हो सके। पाठ में शामिल 'अध्यापन संकेत' हमारा एक छोटा-सा प्रयत्न है जिसके माध्यम से शिक्षक/शिक्षिका बच्चों के सर्वांगीण विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

पाठ में शामिल 'आइए, पुनरावृति करें' के माध्यम से सीखे गए बिंदुओं को दोहराया गया है। अभ्यास कार्य के अंतर्गत शामिल 'मौखिक' और 'लेखन कार्य' के द्वारा बच्चों के श्रवण कौशल, बौद्धिक क्षमता और लेखन-शैली पर विशेष ध्यान दिया गया है। साथ ही, 'सोचें-विचारें' के द्वारा बच्चों की रचनात्मक, कार्यात्मक एवं तार्किक क्षमता को निखारने की कोशिश की गई है। 'खेल-खेल में' बच्चों की प्रतिभा को उभारने का संकल्प लिया गया है। साथ ही उनकी मानसिक योग्यता को बल प्रदान करने का प्रयत्न किया गया है। 'प्रेरणादायक मूल्य' को संपूर्ण शृंखला में शामिल करने का मूल उद्देश्य बच्चों में नैतिक गुणों को प्रभावी स्वरूप प्रदान करना है।

हमें पूर्ण विश्वास है कि यह शृंखला बच्चों में भाषा को रचनात्मक स्वरूप प्रदान करेगी और उनके बौद्धिक व व्यवहार रूपी अधिगम क्षमता को बढ़ाएगी। आपके सुझावों की सदैव प्रतीक्षा रहेगी। शुभकामनाओं सहित.....

–प्रकाशक

पाठ्यपुस्तक का परिचय

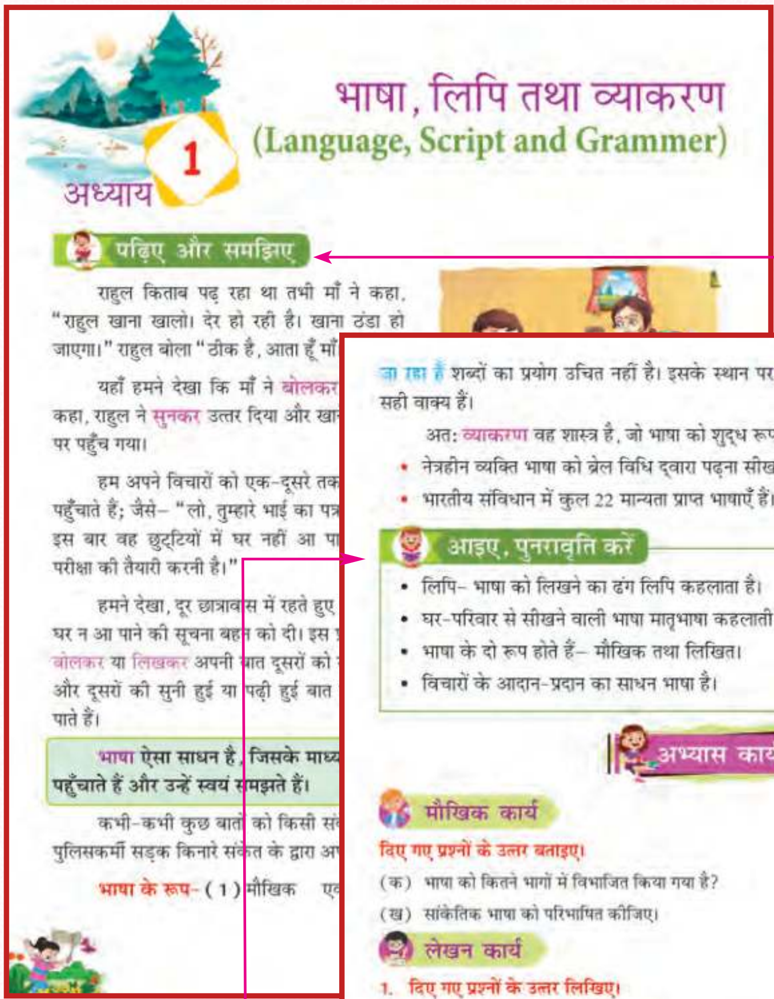

अध्याय 1

भाषा, लिपि तथा व्याकरण
(Language, Script and Grammer)

पढ़िए और समझिए

राहुल किताब पढ़ रहा था तभी माँ ने कहा, "राहुल खाना खालो। देर हो रही है। खाना ठंडा हो जाएगा।" राहुल बोला "ठीक है, आता हूँ माँ...

यहाँ हमने देखा कि माँ ने बोलकर... कहा, राहुल ने सुनकर उत्तर दिया और खा... पर पहुँच गया।

हम अपने विचारों को एक-दूसरे तक... पहुँचाते हैं; जैसे– "लो, तुम्हारे भाई का पत्र... इस बार वह छुट्टियों में घर नहीं आ पा... परीक्षा की तैयारी करनी है।"

हमने देखा, दूर छात्रावास में रहते हुए... घर न आ पाने की सूचना बहन को दी। इस... बोलकर या लिखकर अपनी बात दूसरों को... और दूसरों की सुनी हुई या पढ़ी हुई बात... पाते हैं।

भाषा ऐसा साधन है, जिसके माध्य... पहुँचाते हैं और उन्हें स्वयं समझते हैं।

कभी-कभी कुछ बातों को किसी सं... पुलिसकर्मी सड़क किनारे संकेत के द्वारा अ...

भाषा के रूप- (1) मौखिक ए...

'पढ़िए और समझिए' के माध्यम से पाठ में अंतर्निहित बातों को सरल तरीके से चित्रों के माध्यम से समझाने का प्रयास किया गया है।

जा रहा है शब्दों का प्रयोग उचित नहीं है। इसके स्थान पर तुम कहाँ जा रहे हो? एवं मैं घर जा रहा हूँ सही वाक्य हैं।

अतः व्याकरण वह शास्त्र है, जो भाषा को शुद्ध रूप में बोलना, पढ़ना और लिखना सिखाता है।

- नेत्रहीन व्यक्ति भाषा को ब्रेल विधि द्वारा पढ़ना सीखते हैं।
- भारतीय संविधान में कुल 22 मान्यता प्राप्त भाषाएँ हैं।

आइए, पुनरावृति करें

- लिपि– भाषा को लिखने का ढंग लिपि कहलाता है।
- घर-परिवार से सीखने वाली भाषा मातृभाषा कहलाती है।
- भाषा के दो रूप होते हैं– मौखिक तथा लिखित।
- विचारों के आदान-प्रदान का साधन भाषा है।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य — Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) भाषा को कितने भागों में विभाजित किया गया है?
(ख) सांकेतिक भाषा को परिभाषित कीजिए।

लेखन कार्य — Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(क) भाषा किसे कहते हैं? लिखिए।
(ख) बोली से आप क्या समझते हैं?
2. दिए गए चित्रों को देखकर उनके नीचे भाषा के रूप लिखिए।

हिंदी व्याकरण एवं रचना-4 10

'आइए, पुनरावृति करें' के द्वारा पाठ में सम्मिलित प्रमुख बातों, विचारों तथा तथ्यों को पुन: दोहराया गया है ताकि विद्यार्थी पाठ में सीखे गए बिंदुओं को कंठस्थ कर सकें।

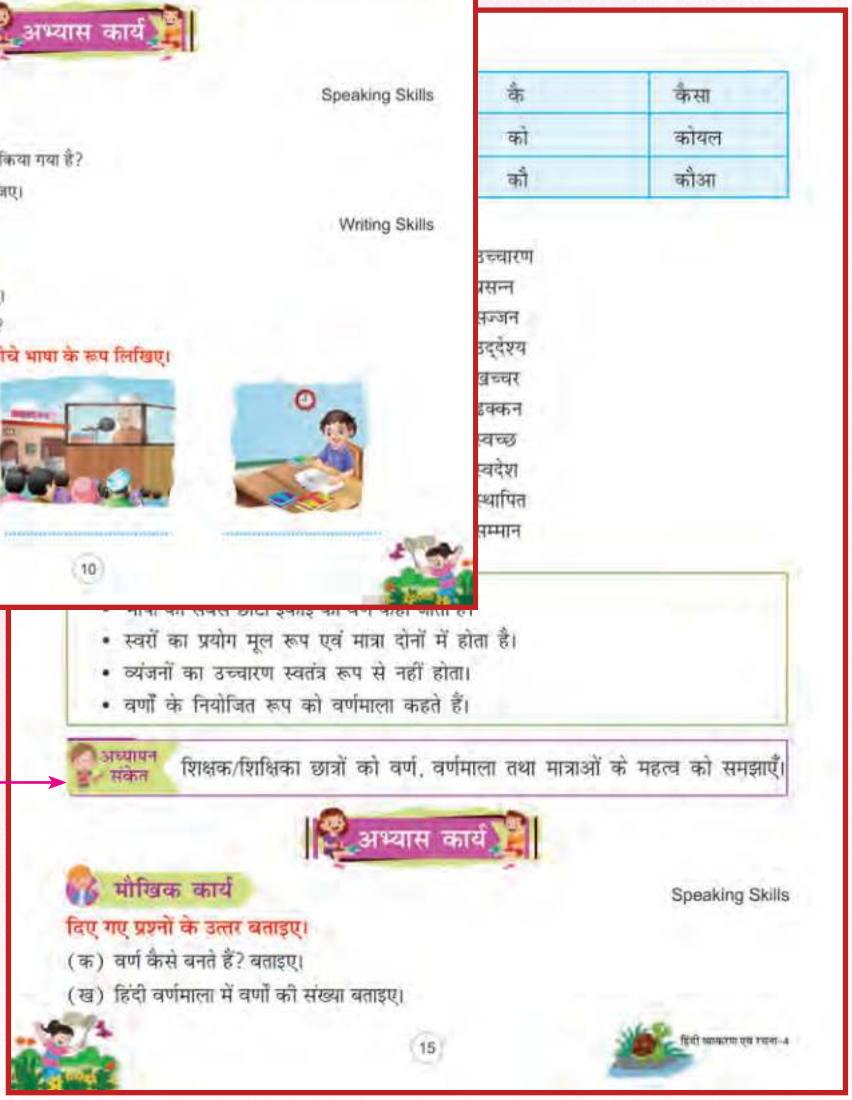

के	कैसा
को	कोयल
कौ	कौआ

उच्चारण
प्रसन्न
सज्जन
उद्देश्य
खच्चर
ढक्कन
स्वच्छ
स्वदेश
स्थापित
सम्मान

- स्वरों का प्रयोग मूल रूप एवं मात्रा दोनों में होता है।
- व्यंजनों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से नहीं होता।
- वर्णों के नियोजित रूप को वर्णमाला कहते हैं।

अध्यापन संकेत — शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को वर्ण, वर्णमाला तथा मात्राओं के महत्व को समझाएँ।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य — Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) वर्ण कैसे बनते हैं? बताइए।
(ख) हिंदी वर्णमाला में वर्णों की संख्या बताइए।

15 हिंदी व्याकरण एवं रचना-4

'अध्यापन संकेत' एक सम्मिलित प्रयास है जिससे शिक्षक, लेखक के द्वारा दी गई प्रमुख सूचनाओं को आधार बनाकर कक्षा में पठन-पाठन को विद्यार्थियों के लिए बेहतर बना सकें ताकि स्तरानुकूल पढ़ाई का एक मंच तैयार हो सके।

'अभ्यास कार्य' के अंतर्गत शामिल प्रश्नों के महत्वपूर्ण समुच्चय के द्वारा विद्यार्थियों में महत्वपूर्ण कौशलों के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता को भी प्रभावी रूप देने का प्रयास किया गया है।

आइए, पुनरावृति करें

- दो या दो से अधिक वर्णों का सार्थक मेल शब्द कहलाता है।
- शब्दों के दो प्रकार होते हैं- 1. सार्थक तथा 2. निरर्थक
- सार्थक शब्दों के साथ मिलकर निरर्थक शब्द भी सार्थक हो जाते हैं।
- सार्थक शब्दों का मेल वाक्य कहलाता है।
- वाक्य के दो अंग होते हैं- 1. उद्देश्य एवं 2. विधेय

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका छात्रों से वर्णों के माध्यम से शब्द निर्माण कराएँ तथा उनसे बनने वाले वाक्यों का अभ्यास करवाएँ।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) वर्णों का सार्थक समूह क्या कहलाता है?

(ख) निरर्थक शब्द सार्थक कब बन जाते हैं?

(ग) उद्देश्य और विधेय में क्या अंतर होता है?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) निरर्थक शब्दों के सार्थक रूप लिखिए-

मजलश, लबाटफु, सकसर, ईपारचा, टटमार

(ख) उद्देश्य और विधेय को परिभाषित कीजिए।

2. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) शब्द किसे कहते हैं?

☐ वर्णों के निरर्थक समूह को ☐ वर्णों के सार्थक समूह को

☐ व्यंजनों के सार्थक समूह को ☐ इनमें से कोई नहीं

(ख) वाक्य के कितने अंग होते हैं?

☐ दो ☐ चार

☐ तीन ☐ पाँच

3. दिए गए वाक्यों को सही रूप में लिखिए।

(क) है होने वाली परीक्षा हमारी शुरू - ....

(ख) जाऊँगा मैं शाम को चाचा जी के घर -

(ग) बारिश आज जोर की आएगी -

(घ) भूख लगी है मुझे तेज़ बहुत -

(ङ) चूहे हैं लगा रहे दौड़ में मैदान। -

4. उद्देश्य और विधेय को रेखांकित कीजिए।

(क) विकास पढ़ता है।

(ग) दूध देती है।

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) शब्दों का .... समूह ....

(ख) वाक्य के .... अंग होते हैं।

(ग) वर्णों का .... समूह शब्द क...

(घ) शब्द .... प्रकार के होते हैं।

सोचें-विचारें

6. आपका मित्र वाक्यों में उद्देश्य तथा विधेय ... सहायता करेंगे? सोच-समझकर बताइए।

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

7. दी गई वर्ग-पहेली में से सार्थक शब्द छाँटकर लिखिए।

दा	म	का	डा	प	भ
व	त्रि	म	क	रो	ग
त	ने	चो	खा	प	ल
र	त्र	र	ना	का	रा
बू	त	ल	वा	र	त्रि
ज	ल	ज	पं	क	ज

....

प्रेरणादायक मूल्य

जिस प्रकार उद्देश्य से वाक्य पूर्ण बनता है, ठीक उसी प्रकार हमें भी अपने जीवन का उद्देश्य निश्चित करना चाहिए।

'प्रेरणादायक मूल्य' के द्वारा बच्चों में नैतिक गुणों के प्रसार का प्रयास किया गया है ताकि बच्चे उन मूल्यों को अपनाकर बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें।

अनुक्रमणिका

क्रम. सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	भाषा, लिपि तथा व्याकरण (Language, Script and Grammar)	7
2.	वर्ण, वर्णमाला और मात्राएँ (Letters, Alphabet and Symbol of Vowel)	12
3.	शब्द और वाक्य (Words and Sentences)	17
4.	संज्ञा (Noun)	21
5.	वचन (Number)	25
6.	लिंग (Gender)	30
7.	सर्वनाम (Pronoun)	34
8.	विशेषण (Adjective)	39
9.	क्रिया (Verb)	44
10.	काल और अव्यय (Tense and indeclinable)	48
11.	शब्द-भंडार (Vocabulary)	51
12.	विराम-चिह्न (Punctuation-Marks)	59
13.	मुहावरे (Idioms)	63
14.	अपठित गद्यांश (Unseen Passages)	67
15.	संवाद-लेखन (Dialogue Writing)	72
16.	पत्र-लेखन (Letter Writing)	75
17.	अनुच्छेद-लेखन (Paragraph Writing)	81
18.	निबंध-लेखन (Essay Writing)	83
19.	कहानी-लेखन (Story Writing)	87
20.	चित्र-वर्णन (Picture Description)	92
21.	अशुद्धि-संशोधन (Error Improvement)	98
	स्वमूल्यांकन पत्र-1	101
	स्वमूल्यांकन पत्र-2	103

अध्याय 1

भाषा, लिपि तथा व्याकरण
(Language, Script and Grammar)

पढ़िए और समझिए

राहुल किताब पढ़ रहा था तभी माँ ने कहा, "राहुल खाना खालो। देर हो रही है। खाना ठंडा हो जाएगा।" राहुल बोला "ठीक है, आता हूँ माँ।"

यहाँ हमने देखा कि माँ ने **बोलकर** राहुल से कहा, राहुल ने **सुनकर** उत्तर दिया और खाने की मेज़ पर पहुँच गया।

हम अपने विचारों को एक-दूसरे तक लिखकर पहुँचाते हैं; जैसे- "लो, तुम्हारे भाई का पत्र आया है। इस बार वह छुट्टियों में घर नहीं आ पाएगा। उसे परीक्षा की तैयारी करनी है।"

हमने देखा, दूर छात्रावास में रहते हुए भी भाई ने घर न आ पाने की सूचना बहन को दी। इस प्रकार, हम बोलकर या लिखकर अपनी बात दूसरों को समझाते हैं और दूसरों की सुनी हुई या पढ़ी हुई बात को समझ पाते हैं।

भाषा ऐसा साधन है, जिसके माध्यम से हम अपनी बातों तथा विचारों को एक-दूसरे तक पहुँचाते हैं और उन्हें स्वयं समझते हैं।

कभी-कभी कुछ बातों को किसी संकेत अथवा इशारों के द्वारा समझाते हैं; जैसे- एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी सड़क किनारे संकेत के द्वारा अपनी भाषा को समझाता है।

भाषा के रूप- (1) मौखिक एवं (2) लिखित

(1) **मौखिक रूप–** मौखिक अर्थात् बोलकर वक्ता अपनी बात बताता है और श्रोता सुनकर बात को समझता है।

(2) **लिखित रूप–** लिखित अर्थात् लिखकर। इसमें हम लिखकर अपनी बात बताते हैं और दूसरा व्यक्ति पढ़कर बात को समझता है; जैसे–

कंप्यूटर

समाचार–पत्र

पुस्तक

विभिन्न भाषाएँ

संसार में अनेक भाषाएँ सुनी, लिखी, पढ़ी और बोली जाती हैं।

इसी प्रकार कुछ देशों की भी अपनी–अपनी भाषाएँ हैं; देखिए–

देश	भाषा
फ्रांस	फ्रेंच
वेटिकन सिटी	लैटिन
स्पेन	स्पेनिश
जर्मनी	जर्मन

देश	भाषा
चीन	मंदारिन
इग्लैंड	अंग्रेज़ी
जापान	जापानी
इटली	इतालवी

इसी प्रकार पशु–पक्षी अपनी बातों को कुछ विशिष्ट ध्वनियों के साथ बोलते हैं, किंतु उन्हें भाषा नहीं कह सकते; जैसे–

कुत्ता

कोयल

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को भाषा के विभिन्न रूपों को समझाएँ तथा उनके उदाहरणों को परिभाषित करके उनमें अंतर स्पष्ट करें।

हमारे देश को बहुभाषीय देश के रूप में जाना जाता है अर्थात् यहाँ हिंदी के अतिरिक्त अन्य भाषाओं को भी बोला जाता है। विभिन्न भारतीय भाषाओं पर दृष्टि डालें–

राज्य	भाषा	राज्य	भाषा
गुजरात	गुजराती	केरल	मलयालम
कश्मीर	कश्मीरी	पश्चिम बंगाल	बांग्ला
ओडिशा	उड़िया	कर्नाटक	कन्नड़
आंध्रप्रदेश	तेलुगू	असम	असमिया
तमिलनाडु	तमिल	पंजाब	पंजाबी
महाराष्ट्र	मराठी	गोवा	कोंकणी

- **मातृभाषा**– वह भाषा जिसे बच्चा अपनी माता अथवा परिवार के अन्य लोगों से सीखता है, वह उसकी मातृभाषा कहलाती है।
- **राजभाषा**– सरकारी कामकाज में काम आने वाली भाषा राजभाषा कहलाती है। हिंदी हमारी राजभाषा है।
- **प्रादेशिक भाषा**– भारत देश अनेक प्रदेशों और राज्यों से मिलकर बना है। यहाँ अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। जो भाषा किसी प्रदेश के लोगों द्वारा बोली जाती है, वह वहाँ की प्रादेशिक भाषा कहलाती है।

लिपि

सभी भाषाओं को लिखने के कुछ विशेष चिह्न निश्चित होते हैं, जिनके द्वारा हम अपनी बातों को लिखकर प्रकट करते हैं। उन्हें लिपि चिह्न कहा जाता हैं। हिंदी, संस्कृत, मराठी भाषाओं की लिपि देवनागरी है।

व्याकरण

तुम कहाँ जा रहे हैं?

मैं घर जा रहा हैं।

बच्चो! इन चित्रों में जो वार्तालाप हो रहा है, वह सही नहीं है। यहाँ तुम कहाँ जा रहे हैं? और मैं घर

जा रहा हैं शब्दों का प्रयोग उचित नहीं है। इसके स्थान पर तुम कहाँ जा रहे हो? एवं मैं घर जा रहा हूँ सही वाक्य हैं।

अत: **व्याकरण** वह शास्त्र है, जो भाषा को शुद्ध रूप में बोलना, पढ़ना और लिखना सिखाता है।

- नेत्रहीन व्यक्ति भाषा को ब्रेल विधि द्वारा पढ़ना सीखते हैं।
- भारतीय संविधान में कुल 22 मान्यता प्राप्त भाषाएँ हैं।

आइए, पुनरावृति करें

- लिपि– भाषा को लिखने का ढंग लिपि कहलाता है।
- घर–परिवार से सीखने वाली भाषा मातृभाषा कहलाती है।
- भाषा के दो रूप होते हैं– मौखिक तथा लिखित।
- विचारों के आदान–प्रदान का साधन भाषा है।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) भाषा को कितने भागों में विभाजित किया गया है?

(ख) सांकेतिक भाषा को परिभाषित कीजिए।

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) भाषा किसे कहते हैं? लिखिए।

(ख) बोली से आप क्या समझते हैं?

2. दिए गए चित्रों को देखकर उनके नीचे भाषा के रूप लिखिए।

....

....

....

3. **दिए गए वाक्यों में उचित शब्द का चयन करके रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।**

(क) पश्चिम बंगाल की भाषा है .... (गुजराती, बांग्ला)

(ख) अमेरिका में बोली जाती है .... (रूसी, अंग्रेज़ी)

(ग) सरकारी कामकाज की भाषा कहलाती है .... (मातृभाषा, राजभाषा)

(घ) .... भाषा का मान्य रूप नहीं है। (सांकेतिक, लिखित)

4. **उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।**

(क) शुद्ध बोलने, लिखने के लिए जानना आवश्यक है–

☐ व्याकरण ☐ लिपि ☐ मौखिक ☐ सांकेतिक

(ख) भारतवर्ष में कुल मान्यता प्राप्त भाषाएँ हैं-

☐ 18 ☐ 24 ☐ 22 ☐ 25

(ग) किसी प्रदेश में बोली जाने वाली भाषा कहलाती है–

☐ प्रादेशिक ☐ राष्ट्रीय ☐ राजभाषा ☐ इनमें से कोई नहीं

सोचें-विचारें

Critical Thinking

5. **हिंदी हमारी राजभाषा है जबकि अंग्रेज़ी अंतर्राष्ट्रीय भाषा है। हिंदी की लिपि देवनागरी है तो अंग्रेज़ी भाषा की लिपि क्या है? सोच-समझकर बताइए।**

खेल-खेल में

Creative Thinking

6. **इंटरनेट की सहायता से पता लगाइए कि हिंदी भाषा और कौन-कौन से देशों में बोली जाती है। उन देशों के नाम लिखिए।**

7. **भारतीय नोट पर 'भारतीय रिजर्व बैंक' के अतिरिक्त और क्या-क्या लिखा होता है? ध्यानपूर्वक लिखकर बताइए।**

....

....

....

....

....

प्रेरणादायक मूल्य

तुलसी मीठे वचन तै, सुख उपजत चहुँ ओर।
वशीकरण के मंत्र हैं, तज दे वचन कठोर।।

अध्याय 2

वर्ण, वर्णमाला और मात्राएँ
(Letters, Alphabet and Symbol of Vowels)

पढ़िए और समझिए

जब हम मुख से बोलते हैं तो बोलते समय विभिन्न ध्वनियाँ निकलती हैं, इन ध्वनियों को ही **वर्ण** कहा जाता है। नीचे दिए गए कुछ चित्रों को देखिए–

आम

चीनी

सभी शब्द वर्णों के मेल से बनते हैं। किसी शब्द में कितने वर्ण अथवा कितनी ध्वनियाँ समाहित हैं यह जानने के लिए उसके टुकड़े किए जाते हैं; जैसे–

आम	–	आ	+	म्	+	अ				(इसमें चार ध्वनियाँ हैं)
चीनी	–	च	+	ई	+	न	+	ई		(इसमें छह ध्वनियाँ हैं)

इनके और टुकड़े नहीं किए जा सकते।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि–

भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहा जाता है और वर्णों विभाजित नहीं किया जा सकता है।

भेद– वर्णों के दो भेद होते हैं–

- **स्वर**– जिन ध्वनियों के उच्चारण के लिए किसी अन्य वर्ण की सहायता की आवश्यकता नहीं पड़ती, उन्हें **स्वर** कहते हैं। हिंदी में स्वरों की संख्या 11 है।

  अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

- **व्यंजन**– ऐसे वर्ण जिनके उच्चारण के लिए अन्य वर्ण की सहायता ली जाती है, उन्हें **व्यंजन** कहा जाता है। हिंदी में व्यंजनों की संख्या मूल रूप से **33** हैं।

क वर्ग	क्	ख्	ग्	घ्	ङ्
च वर्ग	च्	छ्	ज्	झ्	ञ्
ट वर्ग	ट्	ठ्	ड्	ढ्	ण्
त वर्ग	त्	थ्	द्	ध्	न्
प वर्ग	प्	फ्	ब्	भ्	म्
अंत:स्थ	य्	र्	ल्	व्	
ऊष्म	श्	ष्	स्	ह्	

अं , अः अयोगवाह कहलाते हैं।

अतिरिक्त वर्ण :

अनुस्वार (अं) : (ं) – इसका उच्चारण नासिका से किया जाता है।

जैसे – हंस, बंदर, अंगूर आदि ।

अनुनासिक (अँ) : (ँ) – इसका उच्चारण नासिका और कंठ दोनों की सहायता से होता है।

जैसे – आँख, साँप, चाँद आदि ।

विसर्ग (अः) : (ः) – इसका उच्चारण आधे 'ह' की तरह कंठ की सहायता से होता है।

जैसे – प्रातः, नमः, अतः आदि ।

संयुक्त व्यंजन – संयुक्त व्यंजन दो भिन्न व्यंजनों एवं स्वर के मेल से बनता है।

जैसे – क् + ष् + अ = क्ष

त् + र् + अ = त्र

ज् + ञ् + अ = ज्ञ

श् + र् + अ = श्र

अतिरिक्त व्यंजन – 'ड़' तथा 'ढ़' क्रमशः 'ड' तथा 'ढ' के विकसित रूप हैं।

वर्णमाला

हर भाषा की अपनी वर्णमाला होती है। हिंदी भाषा की भी अपनी वर्णमाला है, जो स्वर तथा व्यंजन के क्रमबद्ध समूह से बनती है। जिसमें कुल 52 वर्ण होते हैं। इसमें 11 स्वर तथा 41 व्यंजन होते हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि–

वर्णों के क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं।

हिंदी भाषा में स्वर दो प्रकार से लिखे जाते हैं–

1. अपने मूल रूप में; जैसे–
   अनार, आदमी, एड़ी, औरत आदि।

2. व्यंजनों के साथ मात्रा के रूप में; जैसे–
   क् + इ = कि
   ख + आ = खा

स्वरों को व्यंजनों के साथ लिखते समय उनके चिह्न लिखे जाते हैं। ये चिह्न ही **मात्रा** कहलाते हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि–

व्यंजनों के साथ लगाए जाने वाले स्वरों के चिह्न मात्रा कहलाते हैं। जिसके पश्चात् व्यंजन वर्ण के स्वरूप में परिवर्तन आ जाते हैं।

व्यंजनों के साथ स्वरों की मात्राएँ इस प्रकार लगाई जाती हैं–

स्वर	मात्रा	व्यंजन	मात्रा के साथ व्यंजन	शब्द
अ	मात्रा नहीं होती	क् + अ	क	कमल
आ	ा	क + ा	का	काम
इ	ि	क + ि	कि	किताब
ई	ी	क + ी	की	कील
उ	ु	क + ु	कु	कुनाल
ऊ	ू	क + ू	कू	कूप
ऋ	ृ	क + ृ	कृ	कृतिका
ए	े	क + े	के	केला

ऐ	ै	क + ै	कै	कैसा
ओ	ो	क + ो	को	कोयल
औ	ौ	क + ौ	कौ	कौआ

आइए कुछ संयुक्ताक्षरों के उदाहरणों को जानें –

च्	+	च	=	च्च	=	उच्चारण
न्	+	न	=	न्न	=	प्रसन्न
ज्	+	ज	=	ज्ज	=	सज्जन
द्	+	द	=	द्द	=	उद्देश्य
च्	+	च	=	च्च	=	खच्चर
क्	+	क	=	क्क	=	ढक्कन
च्	+	छ	=	च्छ	=	स्वच्छ
स्	+	व	=	स्व	=	स्वदेश
स्	+	थ	=	स्थ	=	स्थापित
म्	+	म	=	म्म	=	सम्मान

आइए पुनरावृति करें

- भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहा जाता है।
- स्वरों का प्रयोग मूल रूप एवं मात्रा दोनों में होता है।
- व्यंजनों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से नहीं होता।
- वर्णों के नियोजित रूप को वर्णमाला कहते हैं।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को वर्ण, वर्णमाला तथा मात्राओं के महत्व को समझाएँ।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) वर्ण कैसे बनते हैं? बताइए।

(ख) हिंदी वर्णमाला में वर्णों की संख्या बताइए।

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) मात्रा किसे कहते हैं?

(ख) व्यंजन से आप क्या समझते हैं?

2. दिए गए वाक्यों में सही कथन पर (✓) और गलत कथन पर (×) का चिह्न लगाइए।

(क) भाषा की सबसे छोटी ध्वनि वर्ण है। ( )

(ख) स्वरों की संख्या ग्यारह है। ( )

(ग) व्यजनों के उच्चारण के लिए स्वरों की सहायता नहीं लेनी पड़ती। ( )

3. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) हिंदी में व्यंजनों की संख्या कितनी है?

☐ तैंतीस ☐ सैंतीस ☐ पैंतीस ☐ अड़तीस

(ख) वर्णों के क्रमबद्ध समूह को क्या कहते हैं?

☐ वर्णसुमन ☐ वर्णमाला ☐ वर्णमंजरी ☐ इनमें से कोई नहीं

(ग) भाषा की सबसे छोटी इकाई क्या है?

☐ शब्द ☐ वाक्य ☐ वर्ण ☐ स्वर

सोचें-विचारें

Critical Thinking

4. ज़रा सोचिए! व्यंजन वर्ण को स्वर के साथ लिखा जाता है, बताइए संयुक्त व्यंजन को किस प्रकार लिखेंगे?

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

5. अपने परिवार के सभी व्यक्तियों के नाम हिंदी में लिखें एवं उनका वर्ण विच्छेदन कर उनकी मात्राओं को लिखिए।

प्रेरणादायक मूल्य

स्वर तथा व्यंजन के मेल से वर्णमाला का निर्माण होता है। इसी प्रकार सबसे मिल जुलकर रहने से अच्छे व्यक्तित्व का निर्माण होता है।

शब्द और वाक्य
(Word and Sentence)

पढ़िए और समझिए

शब्द

बाज़ार

जोकर

किला

हमने देखा कि हर चित्र के नीचे एक शब्द अंकित है, जो उस स्थान की पहचान करा रहा है।

आइए, देखें कि शब्द कैसे बनते हैं–

बाज़ार – ब् + आ + ज् + आ + र + अ

जोकर – ज् + ओ + क् + अ + र + अ

किला – क + ई + ल् + आ

अर्थात्– वर्णों के सार्थक यानी सही मेल को शब्द कहते हैं और जिन वर्णों का मेल सही न हो, उन्हें शब्द नहीं कहते; जैसे–

र् + अ + प् + अ + ट् + अ = 'रपट' तो एक सार्थक मेल है परंतु

र् + अ + ट् + अ + प् + अ = 'रटप' सार्थक मेल नहीं है। अत:

वर्णों का सार्थक मेल शब्द कहलाता है।

शब्दों के प्रकार–

शब्द

सार्थक — (सार्थक शब्द– रोटी, दूध)

निरर्थक — (निरर्थक शब्द– टीरो, धदू)

सार्थक शब्द– ऐसे शब्द जिनका कोई निश्चित अर्थ होता है; जैसे– बाज़ार, सामान आदि।

निरर्थक शब्द– ऐसे शब्द जिनका कोई अर्थ नहीं होता; जैसे– लहम, रघ, मलक आदि।

कभी-कभी निरर्थक शब्द भी सार्थक अर्थ देने लगते हैं; जैसे– पानी के साथ वानी, रोटी के साथ वोटी इत्यादि।

वाक्य

आइए जानें–

कमला – पड़ेंगी न, छुट्टियाँ गरमियों की में अगले महीने? सुनो मल्लिका

विमला – हाँ से 15 मई

कमला – इस रही है। जा तुम कहाँ में छुट्टियों

विमला – मैं मसूरी मौसी के जाऊँगी घर।

ऐसे वाक्य जो पढ़ने में अटपटा-सा लग रहा है और इनका कोई अर्थ भी नहीं निकल रहा।

इनकी जगह इन वाक्यों को पढ़िए–

कमला – सुनो मल्लिका, अगले माह हमारी गर्मियों की छुट्टियाँ पड़ेंगी न?

विमला – हाँ, 15 मई से।

कमला – इस बार तुम छुट्टियों में कहाँ जा रही हो?

विमला – मैं अपनी मौसी के घर मसूरी जाऊँगी।

अब ये वाक्य सार्थक एवं उचित हैं क्योंकि ये अपने अर्थ को स्पष्ट कर रहे हैं; अतः

शब्दों के सार्थक समूह को वाक्य कहा जाता है।

वाक्य के अंग

उद्देश्य | विधेय

उद्देश्य– जिसके विषय में कुछ कहा जाए।

विधेय– उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाए।

उदाहरण– माताजी खाना बना रही हैं।

माताजी → उद्देश्य

खाना बना रही हैं → विधेय

आइए, पुनरावृत्ति करें

- दो या दो से अधिक वर्णों का सार्थक मेल शब्द कहलाता है।
- शब्दों के दो प्रकार होते हैं– 1. सार्थक तथा 2. निरर्थक
- सार्थक शब्दों के साथ मिलकर निरर्थक शब्द भी सार्थक हो जाते हैं।
- सार्थक शब्दों का मेल वाक्य कहलाता है।
- वाक्य के दो अंग होते हैं– 1. उद्देश्य एवं 2. विधेय

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका छात्रों से वर्णों के माध्यम से शब्द निर्माण कराएँ तथा उनसे बनने वाले वाक्यों का अभ्यास करवाएँ।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) वर्णों का सार्थक समूह क्या कहलाता है?
(ख) निरर्थक शब्द सार्थक कब बन जाते हैं?
(ग) उद्देश्य और विधेय में क्या अंतर होता है?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

(क) निरर्थक शब्दों के सार्थक रूप लिखिए–
मजलश, लबाटफु, सकसर, ईपारचा, टटमार
(ख) उद्देश्य और विधेय को परिभाषित कीजिए।

2. **उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।**

(क) शब्द किसे कहते हैं?
☐ वर्णों के निरर्थक समूह को ☐ वर्णों के सार्थक समूह को
☐ व्यंजनों के सार्थक समूह को ☐ इनमें से कोई नहीं

(ख) वाक्य के कितने अंग होते हैं?
☐ दो ☐ चार
☐ तीन ☐ पाँच

3. **दिए गए वाक्यों को सही रूप में लिखिए।**

(क) है होने वाली परीक्षा हमारी शुरू – ....

(ख) जाऊँगा मैं शाम को चाचा जी के घर – ....

(ग) बारिश आज ज़ोर की आएगी – ....

(घ) भूख लगी है मुझे तेज़ बहुत – ....

(ङ) चूहे हैं लगा रहे दौड़ में मैदान। – ....

4. उद्देश्य और विधेय को रेखांकित कीजिए।

(क) विकास पढ़ता है। (ख) लोमड़ी एक चालाक जानवर है।

(ग) दूध देती है। (घ) राणा प्रताप का घोड़ा बहुत तेज़ दौड़ता था।

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) शब्दों का .... समूह .... कहलाता है।

(ख) वाक्य के .... अंग होते हैं।

(ग) वर्णों का .... समूह शब्द कहलाता है।

(घ) शब्द .... प्रकार के होते हैं।

सोचें-विचारें

Critical Thinking

6. आपका मित्र वाक्यों में उद्देश्य तथा विधेय की पहचान नहीं कर पाता है, तो आप उसकी किस प्रकार सहायता करेंगे? सोच-समझकर बताइए।

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

7. दी गई वर्ग-पहेली में से सार्थक शब्द छाँटकर लिखिए।

दा	म	का	डा	प	भ
व	त्रि	म	क	रो	ग
त	ने	चो	खा	प	ल
र	त्र	र	ना	का	रा
बू	त	ल	वा	र	त्रि
ज	ल	ज	पं	क	ज

....

....

....

....

....

प्रेरणादायक मूल्य

जिस प्रकार उद्देश्य से वाक्य पूर्ण बनता है, ठीक उसी प्रकार हमें भी अपने जीवन का उद्देश्य निश्चित करना चाहिए।

अध्याय 4

संज्ञा (Noun)

पढ़िए और समझिए

बच्चो! आपने राहुल और विनीता के घर का दृश्य देखा। ड्राइंग रूम में बैठे सभी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी और भाव को प्रकट कर रहें हैं। ऐसे सभी शब्दों को संज्ञा शब्द कहा जाता है।

जैसे –

व्यक्तियों के नाम – राहुल, विनीता
प्राणियों के नाम – जूली और उसके बच्चे किट्टू और रैक्स
वस्तुओं के नाम – सोफ़ा, कुरसी, गीता, सब्ज़ियाँ, टेलीविज़न
स्थान का नाम – ड्राइंग रूम, कुरसी
भावों का नाम – आराम, शांत भाव, खुशी

संज्ञा के भेद

संज्ञा के तीन भेद होते हैं–

• व्यक्तिवाचक संज्ञा	–	ए.पी.जे. अब्दुल कलाम	लाल किला	जवाहर लाल नेहरू
• जातिवाचक संज्ञा	–	लड़का	पहाड़	मैदान
• भाववाचक संज्ञा	–	ममता	क्रोध	लालच

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा

किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण–

व्यक्तियों के नाम – विश्वनाथन आनंद, दीपा करमाकर, मदर टेरेसा आदि।
स्थानों के नाम – लखनऊ, कानपुर, चंडीगढ़, देहरादून आदि।
खेलों के नाम – हॉकी, क्रिकेट, बैडमिंटन आदि।
त्योहारों के नाम – होली, दीपावली, क्रिसमस, ईद, ओणम आदि।
दिनों के नाम – सोमवार, बृहस्पतिवार, शनिवार आदि।

महीनों के नाम – जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल आदि।

ऐसे शब्द जो किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान की जानकारी कराते हैं, वे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं।

2. जातिवाचक संज्ञा

पशु मैदान में चर रहे हैं।

विद्यार्थी कक्षा में पढ़ते हैं।

सब्ज़ीवाला सब्ज़ी बेचता है।

ऐसे शब्द जो किसी प्राणी, वस्तु या स्थान की पूरी जाति का बोध कराते हैं, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जातिवाचक संज्ञा के कुछ अन्य उदाहरण–

वस्तु – पुस्तक, फूल, फल आदि।

प्राणी – स्त्री, पुरुष, पशु–पक्षी आदि।

स्थान – गाँव, शहर, विद्यालय, नदी आदि।

3. भाववाचक संज्ञा

दादा जी का बुढ़ापा है।

बच्चे घुमक्कड़ हैं।

राहुल के चेहरे पर खुशी छाई है।

यहाँ बुढ़ापा, घुमक्कड़ और खुशी भावों के नाम हैं, जिन्हें हम केवल महसूस कर सकते हैं। ऐसे ही शब्द भाववाचक संज्ञा शब्द कहलाते हैं। अत:

ऐसे शब्द जो किसी भाव, गुण, दोष या अवस्था का बोध कराते हैं, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

भाववाचक संज्ञा के कुछ अन्य उदाहरण–

मित्रता, बचपन, बुढ़ापा, स्नेह, मिठास, सजावट, अपनापन, परायापन आदि।

आइए, पुनरावृत्ति करें

- संसार में हर वस्तु का कोई-न-कोई नाम होता है।
- नाम वाले शब्द ही संज्ञा शब्द होते हैं।
- संज्ञा के तीन भेद होते हैं–1. व्यक्तिवाचक 2. जातिवाचक 3. भाववाचक
- प्राणी, वस्तु तथा स्थान के नाम बताने वाले शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं।
- जाति या समूह का ज्ञान कराने वाले शब्द जातिवाचक संज्ञा और भाव, गुण अथवा दोष को बताने वाले शब्द भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को संज्ञा एवं उसके भेद तथा उनके उदाहरण को समझाएँ।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) संज्ञा से आप क्या समझते हैं?

(ख) संज्ञा के कितने भेद होते हैं? नाम बताइए।

(ग) भाववाचक संज्ञा की क्या विशेषता होती है?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

(क) संज्ञा के भेदों को उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(ख) किसी प्राणी, व्यक्ति या वस्तु के नाम को क्या कहा जाता है?

(ग) जातिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं? लिखिए।

2. **शब्द सारणी में व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक शब्द लिखे हैं, इन्हें अलग-अलग करके लिखिए–**

व्यक्तित्व	सज्जनता	आदमी	रामायण	बाईबिल	हरियाली
शेर	हिमालय	चंद्रमा	पुस्तक	बाज़ार	शीतलता

व्यक्तिवाचक – ....

जातिवाचक – ....

भाववाचक – ....

3. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) राकेश, रोजी व प्रतीक शब्द हैं?

☐ संज्ञा के ☐ सर्वनाम के ☐ क्रिया के ☐ इनमें से कोई नहीं

(ख) रोटी शब्द कौन-सी संज्ञा है?

☐ भाववाचक ☐ जातिवाचक ☐ व्यक्तिवाचक ☐ इनमें से कोई नहीं

4. दिए गए वाक्यों में संज्ञा शब्द रेखांकित कीजिए और भेदों के नाम लिखिए।

(क) चुटकुला सुनकर सबको हँसी आ गई। ....

(ख) मंडप की सुंदरता देखते ही बनती थी। ....

(ग) हाथियों का झुंड पानी पी रहा था। ....

5. दिए गए शब्दों में से भाववाचक संज्ञा पर सही (✓) का चिह्न लगाइए।

☐ निज ☐ निजी ☐ निजत्व

☐ शत्रु ☐ शत्रुता ☐ शस्त्र

☐ चोर ☐ चोरी ☐ चुराना

सोचें-विचारें

Critical Thinking

6. हिंदी भाषा में नाम वाले शब्दों को संज्ञा कहा जाता है तो संज्ञा शब्दों को अंग्रेज़ी भाषा में क्या कहेगें? सोचकर बताइए।

खेल-खेल में

Creative Thinking

7. दी गई वर्ग-पहेली में संज्ञा शब्दों पर घेरा (○) बनाइए और उचित स्थान पर लिखिए।

भू	ल	भु	लै	या	ता	ज	म	ह	ल
मि	प	ज	वि	ना	क	बु	रा	ई	ड़
त्र	ट	य	द्	मि	म	ग	ला	गं	का
ता	ना	पु	या	ठा	ल	अ	त	गा	या
ह	र्ष	र	ल	स	क	६	ना	प	त्री
रु	द	न	य	स	ड़	या	र	ट	गु
रे	ल	गा	ड़ी	ड़	हा	प	म	ता	रु
त	र	बू	ज	क	रा	क	न	स	सा
क	म	ले	श	आ	म	के	ला	दी	न
क	वि	त्री	द	या	लु	ता	शि	क्ष	क

व्यक्तिवाचक

....
....
....
....
....

जातिवाचक

....
....
....
....
....

भाववाचक

....
....
....
....
....

प्रेरणादायक मूल्य

नाम कमाने में समय लगता है, जबकि नाम गँवाने में नहीं, इसलिए अच्छे काम करने से बड़ा नाम होता है।

वचन
(Number)

पढ़िए और समझिए

दिए गए चित्रों को ध्यानपूर्वक देखकर उन्हें समझने का प्रयास कीजिए।

लड़की नाच रही है।

लड़कियाँ नाच रहीं हैं।

लड़का खाना खा रहा है।

लड़के खाना खा रहे हैं।

बच्चो! आपने देखा कि उपरोक्त चित्रों में लड़की, लड़का संख्या में एक हैं, जबकि लड़कियाँ, लड़के संख्या में एक से अधिक हैं। ऐसे शब्दों को वचन कहा जाता है। अत: हम कह सकते हैं कि–

शब्द के जिस रूप से संज्ञा के एक या अधिक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं।

वचन के भेद–

वचन
- एकवचन
- बहुवचन

1. **एकवचन–** शब्दों का वह रूप जो संज्ञा, सर्वनाम शब्दों के संख्या में एक होने का ज्ञान कराते हैं, उन्हें एकवचन कहते हैं; जैसे– चाबी, दरवाज़ा, घड़ी आदि।
2. **बहुवचन–** शब्दों के जो रूप संज्ञा, सर्वनाम शब्दों के संख्या में एक से अधिक होने का ज्ञान कराते हैं, उन्हें बहुवचन कहते हैं; जैसे– चाबियाँ, दरवाज़े, घड़ियाँ आदि।

कुछ संज्ञा शब्द एकवचन और बहुवचन रूप में-

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
सड़क	सड़कें	दवाई	दवाइयाँ	कलम	कलमें	लता	लताएँ
पत्ता	पत्ते	बिल्ली	बिल्लियाँ	मूँछ	मूँछें	खिलौना	खिलौने
बगीचा	बगीचे	स्त्री	स्त्रियाँ	कथा	कथाएँ	हाथी	हाथियों
तिनका	तिनके	घड़ा	घड़े	कविता	कविताएँ	साधु	साधुओं
मक्खी	मक्खियाँ	मटका	मटके	कन्या	कन्याएँ	आदमी	आदमियों
चिट्ठी	चिट्ठियाँ	चादर	चादरें	वधू	वधुएँ	चिड़िया	चिड़ियाँ

कुछ सर्वनाम शब्दों के बहुवचन रूप-

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
यह	ये	उसे	उन्हें
तू, तुम	तुम्हें	वह	वे
मेरा	मेरे	तुम्हारा	तुम्हारे
अपना	अपने	उनका	उनके
इसे	इन्हें	पराया	पराये

कुछ प्रमुख तथ्य-

- 'ी' यदि एकवचन के अंत में हो तो बहुवचन में 'ि' हो जाता है।
- एकवचन के संज्ञा शब्द तथा सर्वनाम शब्द के साथ बहुवचन की क्रिया का प्रयोग किया जाता है।
  जैसे- वह/लड़की आम खा रही है। वे/लड़कियाँ आम खा रही हैं।
- कुछ संज्ञा शब्द एक वचन तथा बहुवचन में एक समान रहते हैं। ऐसे शब्दों का वाक्यों में प्रयोग होने पर क्रिया के वचन के आधार पर उनके वचन का निर्धारण किया जाता है।
  जैसे- औरत जा रही है/औरतें जा रही हैं।
- वाक्य में प्रयोग करते समय कई बार संज्ञा रूप में भी बदलाव होता है।
- जैसे- कमीज़ अलमारी में रख दो/कमीज़ें अलमारी में रख दो।
- आदर देने के लिए सदैव बहुवचन क्रिया का प्रयोग करते हैं;
  जैसे- पिता जी, शास्त्री जी आदि।

- कुछ शब्द या तो सदैव एकवचन के रूप में या फिर सैदव बहुवचन के रूप में प्रयोग किये जाते हैं।

  सदा बहुवचन शब्द – हस्ताक्षर, प्राण, आँसू, दर्शन, बाल आदि।

  सदा एकवचन शब्द – आकाश, वर्षा, हवा, पानी आदि।

आइए, पुनरावृत्ति करें

- शब्द का वह रूप जो संख्या का ज्ञान कराए, वचन कहलाता है।
- वचन के दो भेद होते हैं– एकवचन और बहुवचन।
- एक संख्या बताने वाला शब्द एकवचन कहलाता है।
- एक से अधिक संख्या बताने वाले शब्द को बहुवचन कहते हैं।
- वचन के आधार पर संज्ञा और क्रिया का रूप भी बदलता है।
- कुछ शब्द एकवचन और बहुवचन में एक समान रहते हैं; जैसे– फल, पेड़ आदि।
- आदर देने के लिए एकवचन के साथ बहुवचन का प्रयोग किया जाता है।
- कुछ शब्द सदा बहुवचन रूप में प्रयुक्त होते हैं; जैसे– प्राण, हस्ताक्षर, आँसू आदि।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को वचनों की पहचान करना तथा संख्यावादी वचनों का निर्धारण करने के बारे में बताएँ।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) वचन किसे कहते हैं?

(ख) वचनों के प्रकार को परिभाषित कीजिए।

(ग) पेड़ पर चिड़िया में 'पेड़' और 'चिड़िया' शब्द क्या है?

(घ) आदर देने के लिए एकवचन के साथ क्या प्रयोग होता है?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

   (क) संख्या ज्ञात कराने वाले शब्द क्या कहलाते हैं?

(ख) सदैव एकवचन रहने वाले कोई दो शब्द लिखिए।

(ग) सदैव बहुवचन रहने वाले चार शब्द लिखिए और उनसे वाक्य बनाइए।

2. दिए गए शब्दों के वचन बदलिए।

दवाइयाँ	....	साधु	....	पत्ते	....	कथा	....
हाथी	....	आदमियों	....	बगीचा	....	वधू	....

3. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द का चयन करके वाक्य की पूर्ति कीजिए।

(क) उपवन में कई .... हैं। (वृक्ष, वृक्षों)

(ख) प्रत्येक प्रदेश की अपनी .... होती है। (बोली, बोलियाँ)

(ग) प्रधानाचार्या ने सभी .... की ड्रेस चेक कराई। (लड़की, लड़कियों)

(घ) माँ ने .... को गरम दूध पिलाया। (बेटा, बेटे)

4. दिए गए वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।

(क) दो सेवक कार्य कर रहा है।

....

(ख) कुत्ते को मालिक ने पाला।

....

(ग) राहुल ने रोटियाँ तीन खाई।

....

(घ) दो लड़का पुस्तक पढ़ रहे हैं।

....

(ङ) पिता जी गया है।

....

5. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) वचनों से जानकारी होती है–

☐ संख्या ☐ अक्षर ☐ मात्रा ☐ वर्ण

(ख) आदर देने के लिए प्रयोग करते हैं–

☐ सदैव बहुवचन ☐ सदैव एकवचन ☐ वर्णमाला ☐ कुछ भी नहीं

(ग) 'प्राण' शब्द सदैव प्रयोग होता है–

☐ सदैव बहुवचन ☐ सदैव एकवचन ☐ वर्णमाला ☐ कोई भी नहीं

(घ) आकाश में तारे कौन-सा वचन है–

☐ एकवचन ☐ बहुवचन ☐ दोनों ☐ इनमें से कोई नहीं

6. **दिए गए शब्दों में एकवचन में (✓) और बहुवचन में (✗) चिह्न लगाइए।**

सड़क	☐	दवाई	☐	कलम	☐	मटके	☐	बिल्लियाँ	☐	कथाएँ	☐
वधु	☐	कविता	☐	कहानी	☐	कन्याएँ	☐	पुरुष	☐	पुस्तकें	☐

7. **दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।**

(क) देखते-देखते पक्षी के .... पखेरू उड़ गए।

(ख) आवेदन पत्र पर प्रधानाचार्या ने .... कर दिए।

(ग) हनुमान जी के दर्शन .... हैं।

(घ) पूरे घर में सभी दरवाज़ों पर .... लगा दो।

सोचें-विचारें

Critical Thinking

8. **व्याकरण में वचन शब्द किस ओर इंगित करते हैं? सोचकर बताइए।**

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

9. **विगत रविवार की अपनी दिनचर्या को एक अवतरण में लिखिए एवं उसमें प्रयुक्त एकवचन और बहुवचन शब्दों को अलग अलग कॉलम में लिखिए।**

....

....

....

....

....

एकवचन	बहुवचन
....	....
....	....
....	....
....	....

प्रेरणादायक मूल्य

जैसे बूँद-बूँद से घड़ा भरता है, वैसे ही हमें भी एक-दूसरे का सहयोग करके देश के मान को बढ़ाना चाहिए।

अध्याय 6

लिंग (Gender)

पढ़िए और समझिए

दिए गए चित्रों को देखिए और उनके नीचे लिखे वाक्यों को पढ़िए–

पिता जी अखबार पढ़ रहे हैं।

छात्रा लिख रही है।

भाई साइकिल चला रहा है।

बहन रस्सी कूद रही है।

उपर्युक्त चित्रों में कुछ शब्द पुरुष जाति का तो कुछ स्त्री जाति का बोध करा रहे हैं अर्थात् **ऐसे शब्द जो स्त्री जाति या पुरुष जाति का बोध कराते हैं, उन्हें लिंग कहते हैं।**

लिंग के भेद

- पुल्लिंग
- स्त्रीलिंग

पुल्लिंग– जो शब्द सदैव पुरुष जाति का बोध कराते हैं, वे पुल्लिंग शब्द कहलाते हैं; जैसे–

मोर नाच रहा है।

बच्चा खेल रहा है।

पेड़ पर फल लदे हैं।

स्त्रीलिंग– जो शब्द सदैव स्त्री जाति का बोध कराते हैं, वे स्त्रीलिंग शब्द कहलाते हैं; जैसे–

मुरगी अंडे दे रही है।

तितलियाँ फूलों पर मँडरा रही हैं।

माता जी पूजा कर रही हैं।

आइए, कुछ पुल्लिंग व स्त्रीलिंग शब्द देखें–

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
देव	देवी	दास	दासी
नाग	नागिन	भक्त	भक्तिन
नायक	नायिका	पंडित	पंडिताइन
बैल	गाय	युवक	युवती
घोड़ा	घोड़ी	बिलौटा	बिल्ली
माली	मालिन	शेर	शेरनी
राजा	रानी	मालिक	मालकिन
महाराजा	महारानी	सेठ	सेठानी
सुनार	सुनारिन	साधु	साध्वी
नायक	नायिका	ठाकुर	ठकुराइन
मोर	मोरनी	लुहार	लुहारिन
सखा	सखी	जेठ	जेठानी
कवि	कवयित्री	महोदय	महोदया

कुछ शब्द सदैव स्त्रीलिंग रहते हैं; जैसे–

नदियों के नाम – गंगा, यमुना, नर्मदा, ताप्ती आदि।
बोलियों के नाम – ब्रज, खड़ी बोली, पहाड़ी आदि।
भाषाओं के नाम – हिंदी, अंग्रेज़ी, मराठी, पंजाबी आदि।
लिपियों के नाम – रोमन, ब्राह्मी, देवनागरी, गुरुमुखी आदि।
झीलों के नाम – डल झील, वूलर झील, चिल्का झील आदि।

कुछ शब्द सदैव पुल्लिंग होते हैं; जैसे–

महीनों के नाम – हिंदी महीनों के नाम सदा पुल्लिंग में होते हैं, जबकि अंग्रेज़ी महीनों में थोड़ा अपवाद है।
दिनों के नाम – रविवार, सोमवार, बुधवार आदि।
देशों और राज्यों के नाम – भारत, श्रीलंका, अफ्रीका, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उड़ीसा आदि।
सागरों के नाम – अरब सागर, प्रशांत महासागर, हिंद महासागर आदि।
धातुओं के नाम – पीतल, सोना, तांबा, जस्ता आदि।
ग्रहों के नाम – शुक्र, शनि, मंगल आदि।
पर्वतों के नाम – सतपुड़ा, विंध्याचल, अरावली, एटलस आदि।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका छात्रों से वाक्यों को लिखकर लिंग परिवर्तन का अभ्यास कराएँ क्योंकि हिंदी व्याकरण में लिंग की जानकारी होना बेहद आवश्यक है।

कुछ शब्द पुल्लिग और स्त्रीलिंग में एक समान ही रहते हैं; जैसे-

राजदूत, सैनिक, अफ़सर, खिलाड़ी, मंत्री, इंजीनियर आदि।

ध्यान रखें- कई शब्दों को सही प्रकार से न लिख पाने के कारण इस प्रकार भी लिखा जाता है।

शब्द	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	चित्र
चीता	नर चीता	मादा चीता	
कोयल	नर कोयल	मादा कोयल	
कौआ	नर कौआ	मादा कौआ	

आइए, पुनरावृति करें

- पुरुष अथवा स्त्री जाति का ज्ञान कराने वाले शब्दों को लिंग कहते हैं।
- लिंग के दो भेद होते हैं– 1. पुल्लिग और 2. स्त्रीलिंग।
- कुछ शब्द सदा पुल्लिग तो कुछ सदा स्त्रीलिंग के होते हैं।
- कुछ शब्द पुल्लिग और स्त्रीलिंग में एक समान रहते हैं।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) लिंग किसे कहते हैं?

(ख) लिंग कितने प्रकार के होते हैं?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. लिंग परिवर्तन करके पुनः लिखिए।

(क) नर्तक नृत्य कर रहा है। ....

(ख) गायिका ने मधुर गीत गाया। ....

(ग) पंडित जी ने पूजा कराई। ....

(घ) बिल्ली सारा दूध पी गई। ....

2. **दिए गए शब्दों के लिंग परिवर्तित कीजिए।**

भक्त – .... मालकिन – .... दास – ....

देवी – .... महाराज – .... महोदया – ....

3. **रेखांकित शब्दों के लिंग बदलकर रिक्त स्थान भरिए।**

(क) राहुल अपनी <u>बहन</u> और .... के साथ खेल रहा है।

(ख) <u>शेर</u> शिकार कर रहा है लेकिन .... आराम कर रही है।

(ग) <u>मालिन</u> माला बना रही है जबकि .... पौधों को पानी दे रहा है।

(घ) बगीचे में <u>मोर</u> और .... नाच रहे हैं।

4. **रिक्त स्थान भरिए।**

(क) पर्वतों, ग्रहों, वृक्षों, देशों, दिनों और महीनों के नाम सदा .... होते हैं।

(ख) कुछ शब्दों के लिंग बताने के लिए .... या .... शब्द लगाया जाता है।

(ग) तिथियों, नदियों, भाषाओं, बोलियों और लिपियों के नाम सदा .... रहते हैं।

(घ) डॉक्टर, प्रधानमंत्री आदि शब्द पुल्लिग और स्त्रीलिंग दोनों .... में रहते हैं।

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

5. दिए गए वर्ग के अंदर कुछ स्त्रीलिंग और कुछ पुल्लिग शब्द लिखे हैं। स्त्रीलिंग-पुल्लिग को अलग-अलग छाँटकर उनके विपरीत लिंगों से जोड़े बनाइए–

पुल्लिग शब्द

....
....
....
....
....
....
....
....

न	र	प्र	सु	ना	र	अ
मा	बा	धा	क	वि	त्री	रा
ल	घ	न	स्	से	ठ	व
कि	मो	मं	वा	स	सा	ली
न	र	त्री	मि	खा	धु	ची
दा	नी	न	नी	चू	हा	नी
स	वि	न्	द्	या	च	ल

स्त्रीलिंग शब्द

....
....
....
....
....
....
....
....

प्रेरणादायक मूल्य

स्त्री हो या पुरुष, सबका एक समान अधिकार।
आदर दें एक जैसा, रखें समान व्यवहार।।

अध्याय 7

सर्वनाम
(Pronoun)

पढ़िए और समझिए

कृतिका एक कुशल नृत्यांगना है। कृतिका बाल भारती स्कूल में पढ़ती है। कृतिका कक्षा चार में पढ़ती है। कृतिका रोज़ाना शाम को दो घंटे नृत्य कक्षा में जाती है। रितिका की छोटी बहन भी नृत्य सीखती है। कृतिका की बहन का नाम माध्वी है। कृतिका और रितिका का व्यवहार सभी के साथ बहुत अच्छा है। सभी अध्यापिकाएँ कृतिका और रितिका को बहुत प्यार करती हैं।

बच्चो! आपने उपर्युक्त अवतरण पढ़ा। इस अवतरण में आपको भाषा अटपटी लगी? हाँ, क्योंकि यहाँ पर कृतिका शब्द का प्रयोग बार-बार किया गया है। अब हम इसी अवतरण को सर्वनाम शब्दों के प्रयोग के साथ लिखते हैं।

कृतिका एक कुशल नृत्यांगना है। वह बाल भारती स्कूल में पढ़ती है। वह कक्षा चार की छात्रा है। वह रोजाना शाम को दो घंटे नृत्य कक्षा में जाती है। उसकी छोटी बहन भी नृत्य सीखती है। उसका नाम रितिका है। सभी के साथ दोनों बहनों का व्यवहार बहुत अच्छा है। सभी अध्यापिकाएँ उन दोनों को बहुत प्यार करती हैं।

अतः प्रत्येक स्थान पर संज्ञा शब्द प्रयोग न करके उनके स्थान पर कुछ विशेष शब्दों के प्रयोग ने भाषा को आकर्षक बना दिया। संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त ये शब्द 'सर्वनाम' कहलाते हैं।

सर्वनाम का शाब्दिक अर्थ होता है- 'सबका नाम' अर्थात संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द। अतः

ऐसे शब्द जिन्हें संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त किया जाता है, उन्हें सर्वनाम कहते हैं।

मुख्य सर्वनाम शब्द- यह, वह, मैं, तुम, इसे, उसे, हमारा, तुम्हारा, कौन, कोई, इनका आदि।

दो वाक्यों में संबंध जोड़ने के लिए – जिसकी, जिसे, उसे, उसकी, जो-सो, जिसे आदि।

सुनने वाले के लिए – तुम, तुम्हारा, तुम्हें आदि।

प्रश्न पूछने वाले के लिए – कौन, किसे, क्या आदि।

अपने लिए – मैं, मेरा, अपना, खुद, स्वयं आदि।

किसी अनिश्चित वस्तु के लिए – कुछ, कोई, कहाँ आदि।

किसी दूसरे व्यक्ति के लिए – यह, ये, वह, वे आदि।

वचन बदलने पर सर्वनाम शब्दों का प्रयोग–

एकवचन	**बहुवचन**
तू →	तुम
मैं →	हम
वह →	वे
यह →	ये

उस, उसका, उसे, उसने → उन, उनका, उन्हें, उन्होंने।

यह, इसका, इसे, इसने → इन, इनका, इन्हें, इन्होंने।

सर्वनाम के भेद–

सर्वनाम को छह भेदों में वर्गीकृत किया गया है–

1. पुरुषवाचक सर्वनाम
2. निश्चयवाचक सर्वनाम
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
4. प्रश्नवाचक सर्वनाम
5. निजवाचक सर्वनाम
6. संबंधवाचक सर्वनाम

1. **पुरुषवाचक सर्वनाम–** जब बोलने वाले, सुनने वाले या अन्य किसी व्यक्ति के लिए प्रयोग किए जाने वाले सर्वनाम शब्द पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे–

बोलने वाले के लिए–

हम, हमारा, हमें, मैं, मेरा, मुझे आदि।

सुनने वाले के लिए–

आप, आपको, आपका, तुम्हें, तुम्हारा आदि।

अन्य व्यक्तियों के लिए–

वह, उसे, उसका, यह, इसे, उन्हें, इन्हें, इनका, उनका आदि।

2. **निश्चयवाचक सर्वनाम–** ऐसे शब्द जो किसी व्यक्ति, वस्तु के बारे में बताते हैं, निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे– यह, वह, इसने, उसने, इसे, उसे आदि।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम– ऐसे सर्वनाम शब्द जो किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु के बारे में नहीं बताते हैं, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– कुछ, कितना आदि।

4. प्रश्नवाचक सर्वनाम– ऐसे सर्वनाम शब्द जो प्रश्न पूछने के काम आते हैं, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– कौन, क्या, कहाँ, कैसे, किसको आदि।

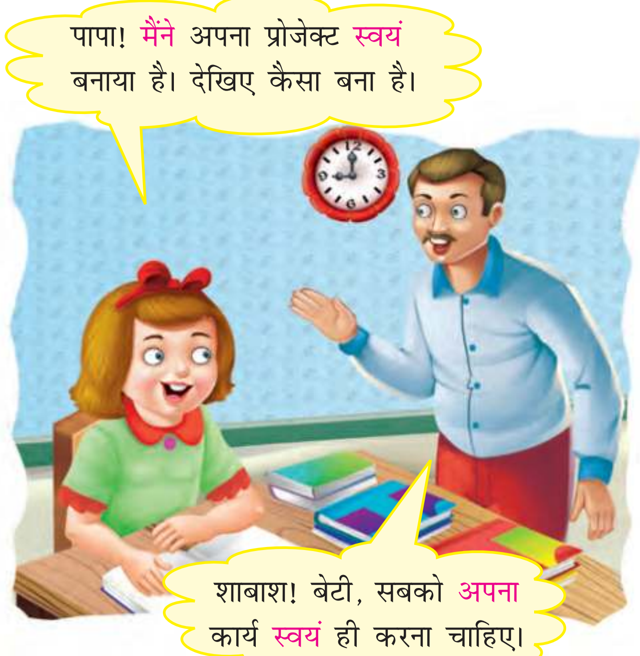

5. निजवाचक सर्वनाम– जिन सर्वनाम शब्दों के माध्यम से व्यक्ति स्वयं अपने विषय में कुछ बताता है, उन शब्दों को निजवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– स्वयं, अपने आप, खुद आदि।

6. संबंधवाचक सर्वनाम– ऐसे सर्वनाम शब्द जो वाक्यों के दो खंडों को एक–दूसरे से संबंधित करके दर्शाते हैं, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– जो, सो, जिसकी, उसकी, जिसे–उसे आदि।

आइए, पुनरावृति करें

- संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
- सर्वनाम के छह भेद– 1. पुरुषवाचक 2. निश्चयवाचक 3. अनिश्चयवाचक
- 4. प्रश्नवाचक 5. निजवाचक 6. संबंधवाचक
- सर्वनाम शब्दों के एकवचन और बहुवचन होते हैं।
- बोलने वाला अपने लिए **मैं** और **हम** का प्रयोग करता है।
- सुनने वाले के लिए **तू**, **तुम**, **आप** का प्रयोग होता है।
- दूसरों के लिए **यह**, **वह**, **ये**, **वे** आदि का प्रयोग किया जाता है।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करना सिखाएँ एवं उनके भेदों से भी अवगत कराएँ।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) सर्वनाम से आप क्या समझते हैं?

(ख) सर्वनाम के कितने भेद होते हैं?

(ग) निजवाचक सर्वनाम में कौन-से शब्द प्रयुक्त होते हैं?

(घ) संबंधवाचक सर्वनाम की विशेषता बताइए।

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) सर्वनाम के सभी भेदों की विशेषताओं को लिखिए।

(ख) शिवम, तुमने क्या खाया? सर्वनाम का भेद लिखिए।

(ग) अनिश्चयवाचक सर्वनाम किस स्थिति में कार्य करता है?

(घ) राशिदा गाना गा रही है- संज्ञा की जगह सर्वनाम का प्रयोग कीजिए।

2. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) .... पास चार पुस्तकें हैं।

☐ मैं ☐ उसके ☐ कौन ☐ इसके

(ख) .... को डॉक्टर के पास जाना पड़ेगा।

☐ किसी ☐ कौन ☐ कहाँ ☐ कैसे

(ग) दूध में .... गिर गया है।

☐ कोई ☐ कहाँ ☐ कुछ ☐ क्या

(घ) सबको .... काम स्वयं करना चाहिए।

☐ सबका ☐ तुम्हारा ☐ अपना ☐ उसका

(ङ) .... कल वाराणसी जा रहा हूँ।

☐ आप ☐ तुम ☐ मैं ☐ इनका

3. उचित शब्दों के माध्यम से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द .... कहलाते हैं।

(ख) सर्वनाम के भेद .... होते हैं।

(ग) प्रश्न पूछने के लिए जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग होता है, उन्हें .... सर्वनाम कहते हैं।

(घ) 'हम शाम को सरकस देखने जाएँगे' में ....सर्वनाम है।

(ङ) .... से वाक्यों में अपनेपन का बोध होता है।

सोचें-विचारें

Critical Thinking

4. यदि वाक्य में प्रश्नवाचक सर्वनाम शब्द का प्रयोग करने की जगह अनिश्चयवाचक सर्वनाम का प्रयोग करेंगे तो वाक्य में क्या परिवर्तन आएगा? सोच-समझकर बताइए।

खेल-खेल में

Brain storming Activity

5. दिए गए स्थान पर अपने माता-पिता का चित्र चिपकाइए और उनके संबंध में पाँच वाक्य लिखिए (संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम) शब्दों का प्रयोग कीजिए।

....

....

....

....

....

प्रेरणादायक मूल्य

जिस प्रकार हम दूसरों से अपने लिए जो व्यवहार चाहते है, ठीक हमें भी वैसा ही व्यवहार दूसरों के साथ करना चाहिए।

अध्याय 8

विशेषण
(Adjective)

पढ़िए और समझिए

ऐसे शब्द जो संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता प्रकट करते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।

जैसे– कमल हमारा राष्ट्रीय फूल है। यह बहुत ही सुंदर फूल है। जब तालाब में ये अधिक मात्रा में खिले हुए हों तब अत्यंत मनमोहक लगते हैं।

उपरोक्त वाक्य में 'राष्ट्रीय', 'सुंदर' और 'मनमोहक' शब्द कमल की विशेषता बता रहे हैं। अत: ये शब्द विशेषण कहलाते हैं।

उदाहरण– पहला, पीला, सफ़ेद, सुंदर, लंबा, मीठा, नमकीन, तीन, दस, बूढ़ा, कुछ, थोड़ा आदि विशेषण शब्द हैं।

विशेष्य

ऐसे शब्द जिनकी विशेषता बताई जाती है, विशेष्य कहलाते हैं।

जैसे – ललित होनहार बालक है।

होनहार शब्द 'ललित' की विशेषता बता रहा है, इसलिए ललित विशेष्य है।

उदाहरण – चाचा ने मुझे आठ कलम दिए।

विशेषण - आठ विशेष्य - कलम

विशेषण को चार भेदों में वर्गीकृत किया गया है–

1. **गुणवाचक विशेषण –** जिस शब्द के द्वारा किसी वस्तु या व्यक्ति के गुण, दोष, रंग अथवा स्वाद आदि का बोध हो, उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे– जवान, पीला, नया, पुराना, मीठा इत्यादि।

   उदाहरण – ऋषभ ने पीली कमीज़ पहनी है।

रमेश एक छोटा बालक है।

विनीता सुंदर लड़की है।

यह शेर बूढ़ा है।

चित्रों में छोटा, सुंदर, बूढ़ा शब्द विशेषता प्रकट कर रहे हैं। ये सभी शब्द वाक्य में गुण-दोष बता रहे हैं। ये सभी **गुणवाचक विशेषण** हैं।

2. **संख्यावाचक विशेषण-** जो संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की निश्चित या अनिश्चित संख्या की जानकारी प्रदान करते हैं, उन्हें **संख्यावाचक विशेषण** कहते हैं; जैसे-

तीन सेब

छह पांडा

कई पक्षी

3. **परिमाणवाचक विशेषण-** ऐसे शब्द जिनसे मात्रात्मक अथवा माप-तौल संबंधी ज्ञान का बोध हो, उन्हें **परिमाणवाचक विशेषण** कहते हैं; जैसे-

एक लीटर तेल।

दो मीटर सफ़ेद कपड़ा।

तीन किलो दूध।

4. सार्वनामिक विशेषण–

ऐसे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग वाक्य में संज्ञा की विशेषता बताने के लिए उनसे पहले किया जाए, जिन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते हैं; जैसे–

यह फ़िल्म बहुत अच्छी है।

यह कपड़ा बहुत सिल्की है।

आइए, कुछ अन्य उदाहरण देखें–

गुणवाचक विशेषण– सुंदर, हरा, पीला, ऊँचा, लंबा, गोल, चौकोर आदि।

संख्यावाचक विशेषण – चार साबुन, पाँच आम, कुछ फल आदि।

परिमाणवाचक विशेषण– थोड़ा, ज्यादा, पाँच लीटर, आठ किलो आदि।

सार्वनामिक विशेषण – वह बगीचा, यह घर, उसकी कार आदि।

विशेषण और विशेष्य–

ऐसे शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते हैं, वे विशेषण शब्द कहलाते हैं और जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें विशेष्य कहते हैं; जैसे–

सुंदर लड़की

गोरा बच्चा

इन उदाहरणों में सुंदर विशेषण और लड़की विशेष्य है तथा गोरा विशेषण और बच्चा विशेष्य है।

आइए, पुनरावृति करें

- संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।
- विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, संख्या, माप–तौल आदि बताते हैं।
- जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें विशेष्य कहते हैं।
- विशेषण के चार भेद– गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक एवं सार्वनामिक विशेषण होते हैं।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को विशेषता बताने वाले शब्दों से बने वाक्यों की जानकारी दें और कुछ उदाहरणों के आधार पर विशेषण के भेदों को स्पष्ट करें।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) विशेषण किसे कहते हैं?

(ख) विशेष्य किसे कहते है?

(ग) गुणवाचक और संख्यावाचक विशेषण के दो-दो उदाहरण बताइए।

लेखन कार्य

Writing Skills

1. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

(क) सार्वनामिक विशेषण से आप क्या समझते हैं?

(ख) परिमाणवाचक विशेषण किसे कहते हैं? लिखिए।

(ग) संख्यावाचक विशेषण तथा परिमाणवाचक विशेषण में अंतर लिखिए।

2. **दिए गए विशेषण शब्दों के द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।**

(क) राखी बहुत .... लड़की है। (सोती, सुंदर)

(ख) राष्ट्र ध्वज में .... रंग होते हैं। (चार, तीन)

(ग) हिमालय पर्वत बहुत .... है। (नीचा, ऊँचा)

(घ) मेरी कमीज़ में .... कपड़ा लगता है। (आठ लीटर, दो मीटर)

(ङ) बच्चा .... पर लेट गया। (आकाश, ज़मीन)

3. **टोकरे में लिखे शब्दों को उचित कॉलम में लिखिए।**

गुणवाचक विशेषण	संख्यावाचक विशेषण	परिमाणवाचक विशेषण	सार्वनामिक विशेषण

4. **दिए गए वाक्यों में से विशेषण तथा विशेष्य छाँटकर लिखिए।**

	विशेषण	विशेष्य
(क) गीले कपड़े छत पर डाल दो।	....	....
(ख) माँ ने स्वादिष्ट पकवान बनाए।	....	....
(ग) पहाड़ी स्थान पर गरमी कम पड़ती है।	....	....
(घ) दूसरों की मदद करना अच्छी आदत है।	....	....
(ङ) प्रिया ने दो मीटर धागा खरीदा।	....	....

5. **दी गई वर्ग-पहेली में से विशेषण शब्द छाँटिए।**

काला	गी	गो	रा
दे	ला	सु	स
श	ग	न	फ़े
वा	र	ह	द
सी	म	रा	लंबा
मोटा	मी	ठा	न
म	वि	पा	म
छ	शा	नी	की
ली	ल	ठ	न

विशेषण शब्द

....
....
....
....
....
....

सोचे-विचारें

Critical Thinking

6. **परिमाणवाचक विशेषण से माप-तौल के बारे में पता चलता है, जबकि संख्यावाचक विशेषण के द्वारा संख्या का बोध होता है। जरा सोचिए यदि कोई वाक्य दोनों ही विशेषता बताएँ तो उसे क्या कहेंगे?**

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

7. दैनिक जीवन में आप अपने भाई/बहन के स्वभाव में कुछ अच्छाइयाँ और कुछ बुराइयाँ देखते होंगे। उनको लिखिए–

अच्छाई	बुराई
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

प्रेरणादायक मूल्य

हर इंसान में कुछ ऐसे गुण ज़रूर होते हैं, जो उसकी विशेषता बताते हैं।

अध्याय 9

क्रिया (Verb)

पढ़िए और समझिए

जिन शब्दों से किसी काम के होने तथा करने का बोध हो, उन्हें **क्रिया** कहते हैं।

सुबह का समय है। ठंडी हवाएँ **चल रही** हैं। सीमा के परिवार के सभी लोग उद्यान में **आए** हैं। सीमा अपनी सहेली के साथ **खेल रही** है। उसका भाई नरेश अपने मित्रों के साथ क्रिकेट **खेल रहा** है। दादा जी अपने मित्रों के साथ पार्क में **घूम रहे** हैं। सीमा के पापा अखबार **पढ़ रहे** हैं। मम्मी अपनी सहेली के साथ **बातें कर रही** हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में 'चल रही', 'आए', 'खेल रही', 'खेल रहा', 'घूम रहे', 'पढ़ रहे' तथा 'बातें कर रही', इन शब्दों से किसी काम के करने या होने का बोध हो रहा है। ऐसे शब्दों को **क्रिया** कहते हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि कुछ काम प्रकृति के द्वारा होते हैं; जैसे –

सूरज निकल रहा है। आसमान में तारे चमक रहे हैं।

क्रिया के भेद –

क्रिया का वर्गीकरण दो आधारों पर किया जाता है। क्रिया के दो भेद होते हैं:–

- **सकर्मक क्रिया:** जिन क्रियाओं के साथ कर्म का प्रयोग होता है, उन्हें **सकर्मक क्रिया** कहते हैं; जैसे–देवेश पुस्तक पढ़ रहा है। मीरा फूल तोड़ रही है।

  उपर्युक्त वाक्यों में कर्ता है– देवेश और मीरा, कर्म है– पढ़ रहा और तोड़ रही। इस प्रकार ये वाक्य सकर्मक क्रिया के उदाहरण हैं। जिस क्रिया का फल या प्रभाव कर्म पर पड़ता है, उन्हें **सकर्मक क्रिया** कहते हैं।
- **अकर्मक क्रिया:** जिन वाक्यों में कर्म का प्रयोग नहीं होता है, उन्हें **अकर्मक क्रिया** कहते हैं; जैसे– पक्षी उड़ रहे हैं। उपर्युक्त वाक्य में पक्षी कर्ता है, कर्म नहीं है तथा क्रिया है– उड़ रहे हैं। अत: यह अकर्मक क्रिया है।

क्रिया की पहचान कैसे करें–

वाक्य में सकर्मक क्रिया की पहचान करने के लिए क्रिया से पहले क्या और किसे लगाकर प्रश्न करते हैं, जो भी उत्तर मिलता है, उस कर्म और क्रिया को सकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे– मुकेश सेब खा रहा है।

क्रिया का निर्माण (Formation of verb)

क्रिया का निर्माण मूलत: तीन प्रकार से होता है।

1. संज्ञा द्वारा–

संज्ञा	क्रिया
हाथ	हथियाना
बात	बतियाना
अकड़	अकड़ना

2. धातु द्वारा– क्रिया के मूल रूप को धातु कहा जाता है। किसी धातु रूप की क्रिया में ना प्रत्यय को जोड़कर सामान्य क्रिया बनाई जाती है; जैसे–

मूल रूप– धातु रूप–पढ़, चल, लड़, उड़, देख, सो, रो, खा आदि।

सामान्य रूप– पढ़ना, चलना, लड़ना, उड़ना, देखना, सोना, रोना, खाना आदि।

3. विशेषण द्वारा (By Adjective) – विशेषण शब्द के द्वारा भी क्रिया का निर्माण होता है; जैसे–

विशेषण	क्रिया
भिनभिन	भिनभिनाना
गरम	गरमाना

कुछ अकर्मक क्रियाएँ– आना, सोना, खाना, पीना, चलना, रुकना, ठहरना, उठना, बैठना, हँसना, रोना आदि।

कुछ सकर्मक क्रियाएँ– लिखना, पढ़ना, तोड़ना, उठाना, जगाना, चलाना, बाँटना, देखना आदि।

आइए, पुनरावृति करें

- कार्य बताने वाले शब्द क्रिया कहलाते हैं।
- क्रिया का मूल रूप धातु होता है।
- क्रिया की रचना संज्ञा से, धातु से एवं विशेषण से होती है।
- क्रिया के दो भेद– अकर्मक और सकर्मक होते हैं।
- कर्म के साथ वाली क्रिया सकर्मक और कर्म के बिना वाली क्रिया अकर्मक कहलाती है।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को क्रिया के भेदों से परिचित कराएँ तथा उन्हें उदाहरण के साथ समझाएँ।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) क्रिया किसे कहते हैं?

(ख) क्रिया के भेद बताइए।

(ग) क्या संज्ञा द्वारा क्रिया का निर्माण होता है? यदि हाँ, तो दो उदाहरण बताइए।

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) क्रिया के भेदों को उदाहरणों के साथ लिखिए।

(ख) कर्म से आप क्या समझते हैं? वाक्य में क्रिया और कर्म का क्या स्थान है?

(ग) क्रिया की रचना करने वाले तत्व कौन-कौन से होते हैं? उदाहरण देकर समझाइए।

(घ) सकर्मक और अकर्मक क्रिया का अंतर समझाइए।

2. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) कार्य का करना या होना बताने वाले शब्द क्या कहलाते हैं?

☐ क्रियात्मक शब्द ☐ विशेषण शब्द ☐ क्रिया शब्द ☐ इनमें से कोई नहीं

(ख) कर्म के आधार पर क्रिया के भेद होते हैं–

☐ दो ☐ तीन ☐ पाँच ☐ चार

(ग) वाक्य की रचना किसके बिना असंभव है?

☐ विशेषण के बिना ☐ सर्वनाम के बिना ☐ क्रिया के बिना ☐ इनमें से कोई नहीं

(घ) मैं सुबह जल्दी उठ जाता हूँ- में क्रिया शब्द है–

☐ मैं ☐ जल्दी ☐ उठ जाता हूँ ☐ सुबह

3. सही क्रिया शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) खाने की घंटी बजते ही बच्चों ने शोर ....। (मचाना)

(ख) हमें रोज़ाना भगवान की पूजा .... चाहिए। (करना)

(ग) विराट कोहली क्रिकेट ....। (खेलना)

(घ) इस बार सभी परीक्षाएँ ऑन लाइन ....। (होना)

4. दिए गए वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।

(क) मैं भारत और इग्लैंड का मैच देखी ....

(ख) दुकानें खुल गई होगा। ....

(ग) कुम्हार मिट्टी के बरतन बना रही है। ....

(घ) हवा बहुत तेज़ चल रहा है। ....

सोचें-विचारें

Critical Thinking

5. जिन शब्दों के द्वारा किसी कार्य के करने या होने का बोध हो उसे क्रिया कहते हैं, तो जरा सोचिए कि मुख से बोली जाने वाली तथा अपने आप होने वाली क्रियाओं में क्या अंतर है?

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

6. एक चार्ट पर अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या की एक समय-सारणी (Time Table) बनाइए और किए जाने वाले कार्यों की एक सूची बनाकर अपने कमरे में लगाइए। यथा-संभव अपने सभी कार्यों को समयानुसार करने का प्रयत्न कीजिए।

समय-सारणी के लाभ-

(क) समय का सदुपयोग।

(ख) अनुशासित जीवन।

(ग) मन की शांति।

(घ) लक्ष्य की प्राप्ति।

समय- सारणी (Time Table)

मेरा नाम .... तिथि ....

समय	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	बृहस्पतिवार	शुक्रवार	शनिवार	रविवार
6:00							
7:00							
8:00							
9:00							
10:00							
11:00							
12:00							
1:00							
2:00							
3:00							

प्रेरणादायक मूल्य

सफल व्यक्ति वही है जो सुबह उठकर पहले यह तय करता है कि आज उसे क्या-क्या काम करने हैं और रात तक वह उन सारे कामों को कई परेशानियों के बाद भी पूरा कर लेता है।

अध्याय 10

काल और अव्यय
(Tense and Indeclinable)

पढ़िए और समझिए

कंस को श्रीकृष्ण ने मारा।

पेड़ से जामुन गिर रहे हैं।

कल मैं दिल्ली जाऊँगा।

दिए गए वाक्यों में पहले वाक्य में 'मारा' शब्द से कार्य के पूरे होने का पता चलता है।

दूसरे वाक्य में 'गिर रहे हैं' से कार्य के वर्तमान काल में चलने की जानकारी हो रही है।

तीसरा वाक्य भविष्य में कार्य पूरा होने का संकेत दे रहा है। अर्थात् मित्र कल दिल्ली जाएगा। अत:

क्रिया का वह रूप जो कार्य के होने का समय बताए, उसे काल कहते हैं।

काल के भेद–

काल के तीन भेद होते हैं–

1. **भूतकाल–** क्रिया के जिस रूप से कार्य के पूर्ण होने की जानकारी हो, उसे भूतकाल कहते हैं; जैसे–

   महात्मा गाँधी का जन्म 2 अक्टूबर को हुआ था।

2. **वर्तमान काल–** क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि कार्य चल रहा है, उसे वर्तमान काल कहते हैं; जैसे–

   'राहुल किताब पढ़ रहा है।'

3. **भविष्यत् काल–** क्रिया के जिस रूप से यह पता चलता है कि कार्य आने वाले समय में पूरा होगा, उसे भविष्यत्काल कहते हैं; जैसे–

   'मौसम विभाग ने कहा है कि कल वर्षा होगी।'

अव्यय

ऐसे शब्द जिनमें लिंग, वचन, कारक आदि के कारण कुछ भी परिवर्तन नहीं आता है, अविकारी शब्द कहलाते हैं। जबकि विकारी शब्द ऐसे होते हैं, जिनमें लिंग, वचन आदि के द्वारा परिवर्तन आ जाता है।

अतः अव्यय शब्द हर परिस्थिति में समान ही रहते हैं; जैसे–

सैनिक अचानक लक्ष्य की ओर बढ़ने लगे।

हाथी बहुत धीरे–धीरे चलता है।

राजू ज़ोर–ज़ोर से हँसता है।

सीमा धीरे–धीरे बोलती है।

वाह! कितने सुंदर फूल हैं।

राहुल तेज़ दौड़ता है।

अव्यय को भी मुख्य रूप से चार भागों में विभाजित किया है–

1. क्रिया विशेषण अव्यय
2. संबंधबोधक अव्यय
3. समुच्चय बोधक अव्यय
4. विस्मयादिबोधक अव्यय

आइए, पुनरावृति करें

- जिन शब्दों से कार्य के होने का समय ज्ञात हो, उसे **काल** कहते हैं।
- काल तीन प्रकार के होते हैं–
  1. भूतकाल– बीता समय
  2. वर्तमान काल– चलता हुआ समय
  3. भविष्यत् काल– आने वाला समय
- अव्यय वे शब्द होते हैं, जिनमें लिंग, वचन और कारक के अनुसार कोई परिवर्तन नहीं होता।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को काल तथा अव्यय शब्दों की पहचान करना सिखाएँ एवं उसका अभ्यास कराएँ।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) काल किसे कहते हैं?

(ख) अव्यय से आप क्या समझते हैं?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. **दिए गए वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।**

(क) मैं भोजन कर रहा हूँ। (भूतकाल) ....

(ख) दीपांश वाराणसी गया। (भविष्यत्काल) ....

(ग) रेशमा ने निबंध लिखा। (वर्तमानकाल) ....

(घ) साहिल साइकिल से गिरेगा। (भूतकाल) ....

(ङ) महिमा फ़िल्म देख रही है। (भविष्यत्काल) ....

सोचें-विचारें

Brain Storming Activity

2. **काल को विकारी शब्द कहते हैं जबकि अव्यय को अविकारी तो ज़रा सोचकर बताइए कि विशेषता बताने वाले शब्द को क्या कहेंगे? विकारी या अविकारी?**

खेल-खेल में

Creative Thinking

3. **कक्षा तीन में की हुई कोई ऐसी गलती का वर्णन कीजिए, जिसका अफसोस आपको तब भी हुआ, आज भी है और भविष्य में भी रहेगा।**

....

....

....

....

प्रेरणादायक मूल्य

बीती हुई गलतियों से हमेशा सीखना चाहिए ताकि भविष्य में हमें पछताना न पड़े।

अध्याय 11

शब्द-भंडार
(Vocabulary)

पढ़िए और समझिए

किसी भाषा का शब्द-भंडार जितना बड़ा होता है, उस भाषा को भी उतना ही समृद्ध माना जाता है। ये शब्द तीन प्रकार के होते हैं: 1. पर्यायवाची शब्द 2. विलोम शब्द 3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

समान अर्थ प्रकट करने वाले शब्दों को पर्यायवाची या समानार्थक शब्द कहते हैं।

विद्यालय में बच्चे पढ़ रहे हैं।
स्कूल में बच्चे पढ़ रहे हैं।

शेर दहाड़ रहा है।
सिंह दहाड़ रहा है।

उपर्युक्त चित्रों में दो-दो वाक्यों को लिखा गया है। पहले दोनों वाक्यों में **विद्यालय** और **स्कूल** का अर्थ समान है तथा दूसरे दोनों वाक्यों में **शेर** और **सिंह** का अर्थ समान है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि-

एक जैसा अर्थ प्रकट करने वाले शब्द **पर्यायवाची** शब्द कहलाते हैं।

शब्द	पर्यायवाची	शब्द	पर्यायवाची
अमृत	पीयूष, सुधा, सोम	मित्र	साथी, सखा, दोस्त
पुस्तक	किताब, ग्रंथ, पोथी	सूर्य	दिवाकर, दिनकर, सूरज
नदी	तटिनी, सरिता, तरंगिणी	कमल	नीरज, पंकज, जलज
पुत्र	आत्मज, वत्स, सुत	वर्षा	बरखा, बरसात, बारिश

शब्द	पर्यायवाची	शब्द	पर्यायवाची
नीर	जल, पानी, वारि	औरत	महिला, स्त्री, वामा
गंगा	सुरसरि, भागीरथी, देवनदी	उजाला	प्रकाश, रोशनी, ज्योति
देवता	सुर, देव, अमर	आम	आम्र, रसाल, अमिय फल
बाग	बगीचा, उपवन, वाटिका	पक्षी	खग, पंछी, विहग
आकाश	गगन, नभ, व्योम	मित्र	दोस्त, साथी, सखा
समुद्र	जलधि, सिंधु, सागर	पेड़	वृक्ष, तरु, विटप
बादल	मेघ, घन, जलधर	साँप	नाग, सर्प, भुजंग
धरती	पृथ्वी, भूमि, भू, धरा	हाथी	हस्ती, दंती, करी
मनुष्य	नर, मानव, आदमी	रात	रात्रि, निशा, रजनी
सुबह	सवेरा, भोर, प्रभात	सोना	स्वर्ण, कंचन, हेम
हवा	समीर, वायु, पवन	सुंदर	चारु, मनोहर, भव्य
चाँद	चंद्रमा, राकेश, सुधाकर	सिंह	शेर, केसरी, वनराज
जंगल	कानन, वन, विटप	कपड़ा	पट, चीर, वस्त्र
गाय	गौ, धेनु, सुरभि	पहाड़	पर्वत, भूधर, अचल
कमल	पंकज, सरोज, जलज	दिन	दिवस, वार, वासर

2. विलोम शब्द (Antonyms)

बच्चो! हम बोलते समय कुछ ऐसे शब्दों का प्रयोग करते हैं जिनके अर्थ एक-दूसरे के विपरीत होते हैं, उन्हें विपरीतार्थक अथवा विलोम शब्द कहते हैं।

जो शब्द एक-दूसरे का उल्टा/विपरीत अर्थ देते हैं, उन्हें विलोम शब्द या विपरीतार्थक शब्द कहते हैं।

आइए, कुछ विलोम शब्द याद करें–

शब्द	×	विलोम
अँधेरा	×	उजाला
आशा	×	निराशा

शब्द	×	विलोम
अमृत	×	विष
पवित्र	×	अपवित्र

शब्द	×	विलोम
आदि	×	अंत
बुरा	×	अच्छा

शब्द	×	विलोम	शब्द	×	विलोम	शब्द	×	विलोम
ज्ञानी	×	अज्ञानी	मान	×	अपमान	लघु	×	विशाल
एकता	×	अनेकता	नूतन	×	पुरातन	सुर	×	असुर
धनी	×	निर्धन	सावधान	×	असावधान	खरा	×	खोटा
देवता	×	दानव	प्रशंसा	×	निंदा	सुगंध	×	दुर्गंध
खट्टा	×	मीठा	राजा	×	रंक	जन्म	×	मृत्यु
लंबा	×	छोटा	आदि	×	अंत	सार्थक	×	निरर्थक
काला	×	गोरा	उत्थान	×	पतन	निकट	×	दूर
कोमल	×	कठोर	कायर	×	वीर	मौखिक	×	लिखित
अंधकार	×	प्रकाश	उदय	×	अस्त	मूर्ख	×	बुद्धिमान
साकार	×	निराकार	मित्र	×	शत्रु	सुख	×	दुःख
जीत	×	हार	सौभाग्य	×	दुर्भाग्य	सदाचार	×	दुराचार
जय	×	पराजय	पूरब	×	पश्चिम	प्रसन्नता	×	अप्रसन्नता

3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One Word Substitution)

रोहित क्रिकेट खेलने वाला है।

मैं और विनीता एक साथ पढ़ती हैं।

सुदेश खाना बनाने वाला है।

बच्चो! उपरोक्त चित्रों में अपनी बात को विस्तारपूर्वक लिखने पर भी तो भी उनका अर्थ नहीं बदलेगा और हमारी बात प्रभावशाली और अच्छी प्रतीत होगी। अपनी बात को कम शब्दों में कहना और प्रभावशाली बनाना भी एक कला है।

अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले एक शब्द को 'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द' कहते हैं।

अनेक शब्द (वाक्यांश)	एक शब्द	चित्र
भोजन बनाने वाला	रसोइया	
जो सदा सत्य बोलता हो	सत्यवादी	
सप्ताह में एक दिन होने वाला	साप्ताहिक	
प्रतिदिन होने वाला	दैनिक	
पंद्रह दिन में एक बार होने वाला	पाक्षिक	
वर्ष में एक बार होने वाला	वार्षिक	
महीने में एक बार होने वाला	मासिक	
कलाकारी करने वाला	कलाकार	
चित्र बनाने वाला	चित्रकार	
भगवान को मानने वाला	आस्तिक	
भगवान को न मानने वाला	नास्तिक	
अच्छे भाग्य वाला	भाग्यशाली	
शहर में रहने वाला	शहरी	
अपने देश की वस्तु	स्वदेशी	
दूसरे देश की वस्तु	विदेशी	
जो अनपढ़ हो	अशिक्षित	
मिट्टी के बर्तन बनाने वाला	कुम्हार, कुंभकार	
जो कहानी लिखता हो	कहानीकार	
मूर्ति बनाने वाला	मूर्तिकार	
सब कुछ जानने वाला	सर्वज्ञ	
जो पढ़ा-लिखा हो	शिक्षित	
कुछ न जानने वाला	अनभिज्ञ	
कम जानने वाला	अल्पज्ञ	

दूर की बात सोचने वाला	दूरदर्शी	
जिस पर विश्वास कर सके	विश्वसनीय	
जिसका आकार हो	साकार	
जिसका आकार न हो	निराकार	
जिसकी तुलना न की जा सके	अतुलनीय	
जो क्षमा करने योग्य न हो	अक्षम्य	
सुनने वाला	श्रोता	
बोलने वाला	वक्ता	
परीक्षा लेने वाला	परीक्षक	
गाँव में रहने वाला	ग्रामीण	
केवल फल-सब्ज़ी खाने वाला	शाकाहारी	
मांस खाने वाला	मांसाहारी	
जो क्षमा करने योग्य हो	क्षम्य	
उपकार को मानने वाला	कृतज्ञ	
उपकार को न मानने वाला	कृतघ्न	

आइए, पुनरावृति करें

- एक समान अर्थ को प्रकट करने वाले अलग-अलग शब्दों को पर्यायवाची या समानार्थक शब्द कहते हैं।
- एक-दूसरे का उल्टा अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द या विपरीतार्थक शब्द कहते हैं।
- अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले एक शब्द को अनेक शब्दों के लिए एक शब्द कहते हैं।
- अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द के प्रयोग से वाक्यांश का अर्थ नहीं बदलता।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को बताएँ कि एक शब्द को अनेक नामों या शब्दों द्वारा लिखा जा सकता है। इससे वाक्यों में विशिष्ट अर्थ का संचार होता है।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) समान अर्थ बताने वाले शब्द क्या कहलाते हैं?

(ख) विलोम शब्द से क्या तात्पर्य है?

(ग) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द किसे कहते हैं?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए शब्द का जो पर्यायवाची नहीं है, उस पर (○) लगाइए।

(क)	पक्षी	–	विहग	खग	पंछी	खंजन
(ख)	फूल	–	प्रसून	सुमन	कुसुम	खुशबू
(ग)	सोना	–	हेम	कंचन	संबल	स्वर्ण
(घ)	अमृत	–	अमिय	सुधा	सोम	पीयूष
(ङ)	जंगल	–	मंगल	विपिन	कानन	अरण्य

2. रेखांकित शब्दों के पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग करके वाक्य को दोबारा लिखें।

(क) हवा बहुत तेज़ चल रही है।

....

(ख) तालाब के किनारे लोग बैठे थे।

....

(ग) माँ और बेटी दोनों बाज़ार जाएँगी।

....

(घ) सुबह अचानक बादल छा गए।

....

(ङ) आसमान में पक्षी उड़ रहे हैं।

....

3. दिए गए शब्दों के सही विलोम शब्द पर (○) लगाइए।

(क)	आदान	–	प्रदान	ग्रहण करना	वितरित करना
(ख)	सौभाग्य	–	भाग्य	अभाग्य	दुर्भाग्य

(ग) कायर – पहलवान वीर परिश्रमी

(घ) सार्थक – निरर्थक उपयोगी बेकार

(ङ) लघु – बड़ा विशाल छोटा

(च) जय – अविजयी परास्त पराजय

4. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

सदाचार	×	....	मान	×	....
अंधकार	×	....	एकता	×	....
पवित्र	×	....	प्रशंसा	×	....
आदि	×	....	मित्र	×	....
आशा	×	....	धनी	×	....

5. उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) महादेवी वर्मा कविताएँ लिखती थीं, वह अच्छी .... थीं।

(ख) संजू अब नगर में रहने लगा है, ... बन गया है।

(ग) जमील गाँव में रहता है, वह .... है।

(घ) सच्चाई का मूल्य नहीं आँक सकते, यह .... निधि है।

(ङ) जंगली जानवर केवल माँस खाते हैं, उनको .... कहते हैं।

6. दिए गए वाक्यों को उनके एक शब्द के साथ मिलान कीजिए।

(क)	उपकार न मानने वाला	(i)	नास्तिक
(ख)	सदा सत्य बोलने वाला	(ii)	चित्रकार
(ग)	भगवान को न मानने वाला	(iii)	शताब्दी
(घ)	सौ वर्षों का समूह	(iv)	साकार
(ङ)	जिसका आकार हो	(v)	सत्यवादी
(च)	चित्र बनाने वाला	(vi)	कृतघ्न

7. दिए गए शब्दों को अनेक शब्दों में लिखिए।

(क) अतुलनीय ....

(ख) शाकाहारी ....

(ग) अनाथ ....

(घ) शताब्दी ....

(ङ) श्रोता ....

(च) दूरदर्शी ....

(छ) अनभिज्ञ ....

(ज) अमर ....

(झ) अक्षम्य ....

(ञ) सर्वज्ञ ....

(ट) पाक्षिक ....

(ठ) भाग्यशाली ....

सोचें-विचारें

Critical Thinking

8. दिए गए प्रश्नों के उत्तर सोच-समझकर बताइए।

(क) 'चाह' का पर्यायवाची क्या होगा?

(ख) 'निंदा' तथा 'दानव' शब्द का विलोम बताइए।

(ग) 'जो पानी में रहता है' का एक शब्द क्या होगा?

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

9. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द वर्ग-पहेली में से खोजकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए।

आस्तिक
रोगी
उदय
आरंभ
सदाचारी
स्थायी
क्रेता
सच्चा
संतोष

सू	वि	षा	द	न	ट	ना	स्ि	त	क
अ	उ	पे	क्षा	प्र	नि	अ	नि	रो	गी
प्र	वि	ष	म	का	रो	सं	दा	वि	अ
दा	अ	स्	त	श	गी	तो	न	क्रे	स्
न	हा	नि	य	अं	त	ष	व	ता	त
झू	ठा	नि	रा	शा	प	वि	प	क्ष	दु
अ	स्	था	ई	च	दु	रा	चा	री	र्ग

देवता
पक्ष
आदान
हर्ष
अंधकार
अपेक्षा
सम
आशा
लाभ

प्रेरणादायक मूल्य

पर्यायवाची शब्दों की भाँति मनुष्य के भी कई नाम हो सकते हैं, लेकिन उन्हें अपने विचारों को स्थिर रखना चाहिए क्योंकि मनुष्य के विचार ही उसके व्यक्तित्व को दर्शाते हैं।

अध्याय 12

विराम-चिह्न
(Punctuation-Marks)

पढ़िए और समझिए

विराम का अर्थ होता है- रुकना। आपने ध्यान दिया होगा कि आपस में बातचीत करते समय हम बीच-बीच में कई बार रुक जाते हैं। इस रुकने को ही हम **विराम** कहते हैं। लिखते समय हम विराम के लिए कुछ चिह्नों का प्रयोग करते हैं, उन्हें **विराम-चिह्न** कहते हैं।

लिखते समय भाव और अर्थ की स्पष्टता के लिए प्रयोग किए जाने वाले विशेष चिह्नों को विराम-चिह्न कहते हैं।

विद्यालय के वार्षिकोत्सव की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों का चयन हो रहा था चौथी कक्षा के गौरव को दौड़ प्रतियोगिता वंदना को नृत्य रंजना को चित्रकारी तथा रमेश को गायन प्रतियोगिता के लिए चुना गया

बच्चो, ऊपर लिखे वाक्य पढ़ने में कुछ अटपटे-से लग रहे हैं, क्योंकि इनमें विराम-चिह्न नहीं लगे हैं।

अब दोबारा पढ़िए–

विद्यालय के वार्षिकोत्सव की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों का चयन हो रहा था। चौथी कक्षा के गौरव को दौड़ प्रतियोगिता, वंदना को नृत्य, रंजना को चित्रकारी तथा रमेश को गायन प्रतियोगिता के लिए चुना गया।

इन वाक्यों को आसानी से पढ़ा व समझा जा रहा है, क्योंकि इनमें विराम-चिह्नों का प्रयोग किया गया है।

विराम चिह्न के प्रकार-

विराम-चिह्न कई प्रकार के होते हैं, परंतु अभी हम मुख्य विराम-चिह्नों के बारे में ही पढ़ेंगे।

1. पूर्ण विराम (।)-

वाक्य के पूर्ण होने पर पूर्ण विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे-

राहुल खाना खा रहा है।

बच्चे घूम रहे हैं।

2. अल्प विराम (,)-

वाक्य बोलते समय जहाँ हम रुकते हैं, अर्थात वाक्य के बीच में, अल्प विराम का प्रयोग किया जाता है; जैसे-

रेनू, चारू और शालू कार से स्कूल जा रही हैं।

माँ ने खिलौने वाले से खिलौना, सब्ज़ी वाले से सब्ज़ी तथा राशन वाले से राशन खरीदा।

3. प्रश्नवाचक चिह्न (?)-

जिन वाक्यों में प्रश्न पूछा जाता है, उनके अंत में प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग करते हैं; जैसे-

राहुल, तुम वहाँ क्यों गए थे?

क्या कंचन के यहाँ शादी है?

4. विस्मयबोधक चिह्न (!)-

शोक, हर्ष, विस्मय और घृणा आदि भावों को दर्शाने वाले वाक्यों के बाद विस्मयबोधक चिह्न लगाते हैं; जैसे-

क्या जोर की बारिश हो रही है!

हाय! मैं बर्बाद हो गया।

5. **योजक चिह्न (-)–** वाक्य में जब दो शब्दों को जोड़ना हो या उससे मिलते-जुलते शब्दों को दिखाना हो, तब जिस चिह्न प्रयोग किया जाता है, उसे योजक-चिह्न कहते हैं; जैसे–

राशिका – सुंदर-सुंदर लिखो।

प्रिया – धीरे-धीरे चलो।

आइए, पुनरावृति करें

- विराम का अर्थ है- रुकना।
- लिखते समय रुकने के लिए प्रयोग किए जाने वाले चिह्न विराम-चिह्न कहलाते हैं।
- मुख्य विराम चिह्न–1. पूर्ण विराम (।) अल्प विराम (,) प्रश्नवाचक (?) विस्मयादिबोधक (!) और योजक (-) चिह्न हैं।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को विराम-चिह्न को उदाहरणस्वरूप समझाएँ तथा अभ्यास करवाएँ।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) विराम-चिह्न किसे कहते हैं?

(ख) विराम-चिह्नों की क्या उपयोगिता है?

(ग) दादा-दादी और नाना-नानी शब्द लिखते समय कौन-सा चिह्न लगेगा?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

(क) प्रश्नवाचक और योजक चिह्न का एक-एक उदाहरण लिखिए।

(ख) पूर्ण विराम का क्या अर्थ है? यह चिह्न कहाँ और कब लगता है?

2. **उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।**

(क) 'क्या तुम मेरे घर आओगे' वाक्य में कौन-सा विराम चिह्न लगेगा?

☐ योजक चिह्न ☐ विस्मयादिबोधक ☐ प्रश्नवाचक ☐ अल्प विराम

(ख) 'अरे आँधी आ गई' में किस विराम-चिह्न का प्रयोग किया जाएगा?

☐ पूर्ण विराम ☐ प्रश्नसूचक ☐ विस्मयादिबोधक ☐ अल्पविराम

(ग) विराम से तात्पर्य है?

☐ चल देना ☐ ठहर जाना/रुक जाना ☐ भाग जाना ☐ विश्राम करना

(घ) पूर्ण विराम कहाँ लगता है?

☐ मध्य में ☐ वाक्य के अंत में ☐ प्रारंभ में ☐ वाक्य के पहले

3. सही मिलान कीजिए।

(क)	अल्प विराम	(i)	(?)
(ख)	प्रश्न वाचक	(ii)	(-)
(ग)	विस्मयादिबोधक	(iii)	(।)
(घ)	पूर्ण विराम	(iv)	(!)
(ङ)	योजक	(v)	(,)

सोचें-विचारें

Critical Thinking

4. जरा सोचिए! यदि आप कहानी को लिखते समय विराम चिह्न का प्रयोग न करें तो कहानी का स्वरूप क्या होगा?

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

5. दिए गए अनुच्छेद में उचित स्थान पर विराम-चिह्न लगाकर दोबारा लिखिए।

महादेवी वर्मा प्रसिद्ध कवयित्री हैं छायावदी युग के प्रमुख स्तंभ कवि निराला ने उन्हें हिंदी के विशाल मंदिर की सरस्वती कहा है क्या आप इस नाम से परिचित थे इनके संबंध में कहा जाता है कि इन्होंने कभी भी अपना मुख शीशे में नहीं देखा इन्हें आधुनिक मीरा भी कहा जाता है यह महान व्यक्तित्व की धनी हैं

....

....

....

....

....

....

प्रेरणादायक मूल्य

विराम-चिह्न वाक्य को पढ़ने में सहायता करते हैं। हमें भी अपने जीवन में विराम देकर सोच-समझकर कदम बढ़ाना चाहिए।

अध्याय 13

मुहावरे (Idioms)

पढ़िए और समझिए

बच्चो! शांत हो जाओ। तुमने आसमान सिर पर उठा रखा है।

शाबाश बच्चो! आपने सबके दाँत खट्टे कर दिए।

उपर्युक्त वाक्यांश विशेष अर्थ के रूप में प्रयुक्त हो रहे हैं। वास्तव में आसमान को सिर पर नहीं उठाया जा सकता और खेल में दाँत भी खट्टे नहीं किए जा सकते।

कई बार हम ऐसी भाषा बोलते हैं, जिसका एक विशेष अर्थ निकलता है। ये वाक्यांश वाक्य को (भाषा को) प्रभावशाली बनाते हैं। ये **मुहावरा** कहलाते हैं। अतः

ऐसे वाक्यांश जो अपने साधारण अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ को प्रकट करते हैं, उन्हें मुहावरा कहते हैं।

कुछ महत्वपूर्ण मुहावरे–

मुहावरे	अर्थ	वाक्य प्रयोग
चार चाँद लगाना	खूबसूरती बढ़ाना	विवेक ने इंजीनियर बनकर परिवार की प्रतिष्ठा में चार चाँद लगा दिए।
दाल में काला	शक होना	श्याम का व्यवहार बदल गया है, ज़रूर दाल में कुछ काला है।
दिन-रात एक करना	बहुत मेहनत करना	बच्चों के लिए माता-पिता दिन-रात एक करते हैं।

मुहावरे	अर्थ	वाक्य प्रयोग
पीठ थपथपाना	शाबाशी देना	सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए प्रधानाचार्य जी ने मेरी पीठ थपथपाई।
दाल न गलना	चाल न चल पाना	सुमेश की राधिका के साथ दाल नहीं गलती।
नौ-दो-ग्यारह होना	भाग जाना	माली के आते ही बच्चे उपवन से नौ-दो-ग्यारह हो गए।
आँख लगना	सो जाना	मेरी आँख कब लग गई, पता ही न चला।
नमक-मिर्च लगाना	बात को बढ़ा-चढ़ा कर कहना	दीक्षा की आदत है हर बात को नमक-मिर्च लगाकर कहने की।
अंधों में काना राजा	मूर्खों के मध्य थोड़ा समझदार	गाँव में आठवीं तक पढ़ा सुरेश अंधों में काना राजा है।
पेट में चूहे कूदना	बहुत भूख लगना	सुबह उठते ही रवीश के पेट में चूहे कूदने लगते हैं।
बाल-बाल बचना	मुश्किल से बचना	बस दुर्घटना में कपिल बाल-बाल बच गया।
घी के दीये जलाना	बहुत खुशी मनाना	प्रतियोगी परीक्षा पास करने पर जतिन के परिवार ने घी के दीए जलाए।
चिकना घड़ा	बेशर्म व्यक्ति	सोमेश तो चिकना घड़ा है, इतना मना किया लेकिन सड़क पर खेलना नहीं छोड़ा।
मक्खी मारना	खाली बैठना	महामारी के कारण व्यापारी मक्खियाँ मार रहे हैं।
आँखें खुलना	होश आना	दिनेश को सावधान किया था, परंतु नहीं माना, अब चक्कर में फँसा तो आँखें खुल गईं।
प्राण सूखना	बहुत डर जाना	डकैतों को सामने देखकर रीमा के प्राण सूख गए।
हाथ-पाँव फूल जाना	घबरा जाना	जब प्रिंसिपल सर का आदेश आया कि अभी आकर मिलो– राकेश के हाथ-पाँव फूल गए।

आइए, पुनरावृति करें

- वह वाक्यांश जो सामान्य अर्थ न देकर विशिष्ट अर्थ दे, मुहावरा कहलाता है।
- मुहावरे भाषा को प्रभावशाली बनाते हैं।
- ये वाक्य में प्रयोग होते हैं, इनका स्वतंत्र प्रयोग नहीं होता।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को पाठ में दिए गए मुहावरों का अभ्यास करवाएँ।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) मुहावरे से कौन-सा अर्थ लिया जाता है?

(ख) मुहावरा किसमें लगता है?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) मुहावरा किसे कहते हैं?

(ख) क्या मुहावरा सामान्य अर्थ देता है?

(ग) मुहावरे का भाषा पर क्या प्रभाव पड़ता है?

2. खाली स्थानों में उचित मुहावरा लिखिए।

(क) आजकल तुम्हारा व्यवहार बदल रहा है, ज़रूर .... है।

(ख) पुलिस को देखते ही चोर .... हो गए।

(ग) गौरव के खूबसूरत उद्यान ने घर की शोभा में .... ।

(घ) पिता जी की गंभीर अवस्था देखकर मनीष के .... ।

3. दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए।

(क) आँखें दिखाना ....

(ख) नौ-दो-ग्यारह होना ....

(ग) कान भरना ....

(घ) बाल-बाल बचना ....

(ङ) कान का कच्चा ....

4. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) मक्खी मारना

☐ कुछ काम न करना ☐ मक्खियों को मार देना ☐ बहुत काम करना

(ख) प्राण सूखना

☐ मर जाना ☐ बहुत डर जाना ☐ सचेत हो जाना

(ग) हाथ-पाँव फूल जाना

☐ खुश होना ☐ मोटा हो जाना ☐ घबरा जाना

(घ) पीठ थपथपाना

☐ शाबाशी देना ☐ कमर पर मारना ☐ दोनों में से कोई नहीं

(ङ) दिन-रात एक कर देना

☐ बहुत मेहनत करना ☐ बिल्कुल आराम न करना ☐ हम समय सोते रहना

5. शारीरिक अंगों से संबंधित पाँच मुहावरे और उनके अर्थ लिखिए।

(क) ....

(ख) ....

(ग) ....

(घ) ....

(ङ) ....

सोचें-विचारें

Critical Thinking

6. रोजमर्रा में प्रयोग करने वाले 'अनार' और 'करेला' शब्द के ऊपर एक-एक मुहावरा सोच-समझकर लिखिए।

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

7. रेखांकित वाक्यांशों के स्थान पर मुहावरा लिखिए।

(क) कक्षा में प्रथम आने पर पिता जी ने मुझे शाबाशी दी।

(ख) रात्रि में पढ़ते-पढ़ते मैं सो गया।

(ग) अधिक परिश्रम करने के बाद मुझे जोरों की भूख लगी।

(घ) कल रिया घर पर अकेली थी, जरा-सी आहट होते ही वह डर गई।

प्रेरणादायक मूल्य

हमें अपने लक्ष्य के लिए हमेशा प्रयास करते रहना चाहिए अन्यथा बाद में पछताना पड़ेगा।

अपठित गद्यांश
(Unseen Passages)

पढ़िए और समझिए

'अपठित' यानी नहीं पढ़ा हुआ अर्थात् जिसे पहले न पढ़ा गया हो। 'अपठित' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है– अ + पठित। अ = बिना या नहीं, पठित = पढ़ा हुआ। अत:

वह गद्यांश जो पहले न पढ़ा गया हो, उसे अपठित गद्यांश कहते हैं।

अपठित गद्यांशों का अभ्यास क्यों करना चाहिए?

भाषा की अच्छी समझ और पकड़ के लिए अपठित गद्यांशों का अभ्यास बहुत आवश्यक है। अपठित गद्यांशों का निरंतर अभ्यास करने से शब्दों का ज्ञान बढ़ता जाता है और हमारे भाषा ज्ञान में वृद्धि होती रहती है।

अपठित गद्यांश के अंतर्गत विद्यार्थी को एक अवतरण दिया जाता है, जो उसने पहले न पढ़ा हो और उसके आधार पर विद्यार्थी को प्रश्नों के उत्तर लिखने होते हैं।

अपठित गद्यांश को हल करते समय कुछ बिंदुओं को ध्यान में रखना आवश्यक है।

- पहले गद्यांश को ध्यान से दो–तीन बार पढ़िए और उसका अर्थ समझिए।
- उसमें आई मुख्य बातों पर पेंसिल से निशान लगाइए।
- अब प्रश्नों को पढ़िए और गद्यांश में से ही उनके उत्तर लिखिए।
- प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में लिखिए।
- उत्तर केवल एक–दो वाक्य में ही लिखना चाहिए।
- पूछे जाने पर गद्यांश का एक उचित शीर्षक भी देना चाहिए।

उदाहरणार्थ अवतरण

दिए गए गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए।

(क) एक बालिका बड़ी चंचल थी। वह अक्सर दूसरों की नकल उतार कर अपनी सहेलियों को हँसाया

करती थी। एक दिन बालिका अपने भाई-बहनों के साथ बैठी थी। सब आपस में हँसी-मज़ाक कर रहे थे। बालिका ने बात-बात पर डाँटने वाली अपनी एक अध्यापिका की नकल उतारकर दिखाई, तो सभी का हँसते-हँसते बुरा हाल हो गया। हँसी के फ़व्वारे छूट ही रहे थे कि अचानक बच्चों के कमरे की लाइट बुझ गई। बच्चों ने देखा कि बाहर सड़क पर व पड़ोसियों के घरों में लाइट जल रही थी। वे वहाँ से भागकर अपनी माँ के कमरे में गए, तो वहाँ भी लाइट जल रही थी। बच्चों ने पूछा, 'माँ हमारे कमरे की लाइट क्यों चली गई? सब जगह की लाइट तो आ रही है।' यह सुनकर माँ बोली, 'तुम्हारे कमरे की लाइट मैंने बंद की है।' 'लेकिन क्यों?' माँ बोली, 'दूसरों की आलोचना और नकल उतारने के लिए बिजली का खर्च मुझसे सहन न होगा। ऐसी बेकार की बातों के लिए बिजली जलाना उसका दुरुपयोग करना है।' यह सुनकर बच्चों ने शर्म से अपना मुँह नीचे झुका लिया। बच्चों को अपनी गलती का अहसास होते देखकर माँ उनसे बोली, 'किसी के व्यक्तिगत जीवन के बारे में बातें करना और आलोचना करना सभ्य लोगों का काम नहीं है।' बच्चों ने माँ की यह बात गाँठ बाँध ली। बालिका पर इसका इतना अधिक प्रभाव पड़ा कि उसने अपना संपूर्ण जीवन ही मानव सेवा को समर्पित कर दिया।

यह बालिका आगे चलकर 'मदर टेरेसा' के नाम से प्रसिद्ध हुई।

दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न-1. चंचल बालिका क्या किया करती थी?

उत्तर- चंचल बालिका अक्सर दूसरों की नकल उतारकर अपनी सहेलियों को हँसाया करती थी।

प्रश्न-2. माँ ने क्या किया और क्यों?

उत्तर माँ ने बच्चों के कमरे की लाइट बंद कर दी। क्योंकि वह बच्चों को सबक सिखाना चाहती थीं।

प्रश्न-3. बच्चों के पूछने पर माँ ने क्या उत्तर दिया?

उत्तर बच्चों के पूछने पर माँ ने कहा कि दूसरों की नकल उतारने और आलोचना करने के लिए बिजली का खर्च मुझसे वहन न होगा।

प्रश्न-4. माँ की सीख का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर- माँ की सीख से बच्चों को अपनी गलती का अहसास हो गया।

प्रश्न-5. चंचल बालिका किस नाम से प्रसिद्ध हुई और उसने क्या किया?

उत्तर- चंचल बालिका बड़ी होकर 'मदर टेरेसा' के नाम से प्रसिद्ध हुई और उसने अपना पूरा जीवन ही मानवता को समर्पित कर दिया।

प्रश्न-6. अवतरण के लिए उचित शीर्षक लिखिए।

उत्तर- गद्यांश का शीर्षक-माँ की सीख/बाल संस्कार

(ख) श्रीमती इंदिरा गांधी जी का वास्तविक नाम इंदिरा प्रियदर्शिनी था। इन्होंने विश्व में नारी शक्ति को राजनीतिक उच्चता के गौरव-शिखर तक पहुँचाया। वह पंडित श्री जवाहर लाल नेहरू की इकलौती पुत्री थी। इनका जन्म 19 नवंबर, 1917 को इलाहाबाद (प्रयाग) के आनंद भवन यानी अपने पैतृक निवास पर हुआ था। इनकी माता जी का नाम श्रीमती कमला नेहरू था। इनके पति का नाम श्री फिरोज गांधी था। इनके दो पुत्र थे- बड़े पुत्र का नाम श्री राजीव गांधी तथा छोटे पुत्र का नाम संजय गांधी था। राजीव गांधी जी की धर्मपत्नी का नाम श्रीमती सोनिया गांधी तथा संजय गांधी की धर्मपत्नी का नाम श्रीमती मेनका गांधी है। राजीव गांधी के पुत्र का नाम श्री राहुल गांधी तथा श्री संजय गांधी के पुत्र का नाम वरुण गांधी है। वरुण गांधी जी का शुभ-विवाह 6 मार्च, 2011 को श्रीमती यामिनी रॉय के साथ संपन्न हुआ। श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने सन् 1962 में चीनी आक्रमण के बाद राष्ट्र-रक्षा के यज्ञ की तैयारी के लिए अपने समस्त आभूषणों का दान कर अपनी उदारता और राष्ट्रीयता का अभूतपूर्व परिचय दिया था। दुर्भाग्यवश 31 अक्तूबर, 1984 को वह इस लोक से देवलोक को सिधार गईं।

दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न 1. श्रीमती इंदिरा गांधी का वास्तविक नाम क्या था?

उत्तर इंदिरा प्रियदर्शिनी।

प्रश्न 2. श्रीमती इंदिरा गांधी का जन्म कब हुआ?

उत्तर 19 नवंबर, 1917 में।

प्रश्न 3. श्रीमती इंदिरा गांधी जी के बड़े पुत्र का नाम क्या था?

उत्तर राजीव गांधी।

प्रश्न 4. श्रीमती इंदिरा गांधी की मृत्यु कब हुई थीं?

उत्तर 31 अक्तूबर, 1984 को।

(ग) भगवान का परम भक्त बहुत तल्लीनता से भक्ति पूजा करना चाहता था, परंतु उसकी पूजा के समय सदैव बहुत सारी विघ्न-बाधाएँ आती थीं, परंतु वह अपने नियम से टस-से-मस नहीं होता था। एक दिन वह सरयू नदी के तट पर पूजा, तपस्या कर रहा था कि देखते-ही-देखते उसकी आँखों के सामने एक वृद्ध स्त्री नदी में गिर पड़ी और सहायता के लिए चिल्लाने लगी। भक्त ने

इसे अपनी तपस्या में विघ्न समझा और आँख बंद करके पुनः तपस्या में लीन हो गया। उसी समय वहाँ एक चांडाल आया। जब उसने डूबती हुई असहाय वृद्‌धा की आवाज़ सुनी, तो उसे बचाने को तुरंत नदी में कूद पड़ा।

तुरंत ही उस नदी में भगवान प्रकट हुए। चांडाल की इस क्रिया पर वह बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने उसे मनचाहा वरदान दिया और उस भक्त को भक्ति से वंचित होने का शाप दिया। भक्त के प्रतिकार करने पर प्रभु ने कहा, 'भक्ति मेरा साधन नहीं है। संकट में पड़े व्यक्ति की रक्षा करना और जीव सेवा करना ही मेरी सच्ची भक्ति है। यह कहकर भगवान अंतर्ध्यान हो गए।

दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न–1. कौन पूजा करना चाहता था और उसके साथ क्या होता था?

उत्तर– ईश्वर का परम भक्त पूजा करना चाहता था, परंतु उसकी पूजा में नित्य ही बाधा उत्पन्न हो जाती थी।

प्रश्न–2. एक दिन क्या हुआ? क्या भक्त ने महिला की सहायता की?

उत्तर– एक दिन एक वृद्‌ध महिला उसी नदी में गिर पड़ी, जिसके किनारे वह पूजा कर रहा था। भक्त ने उसे पूजा में बाधा समझा और महिला की सहायता नहीं की।

प्रश्न–3. वृद्‌ध महिला की सहायता किसने और कैसे की?

उत्तर– वृद्‌ध महिला की सहायता एक चांडाल ने की। वह महिला को डूबते देखकर नदी में कूद पड़ा।

प्रश्न–4. नदी के तट पर कौन प्रकट हुआ और उन्होंने भक्त और चांडाल के साथ क्या किया?

उत्तर– नदी के तट पर प्रभु प्रकट हुए और उन्होंने चांडाल को वरदान दिया और भक्त को अपनी भक्ति से वंचित कर दिया।

अभ्यास कार्य

लिखिए तथा समझिए

क. व्याकरण भाषा के मौखिक और लिखित दोनों रूपों का अध्ययन कराता है। यद्‌यपि इस प्रकार के अध्ययन का क्षेत्र मौखिक भाषा ही रहती है, तथापि भाषा के लिखित रूप को ही अध्ययन का विषय बनाया जाता है। भाषा और लिपि के परस्पर संबंध से कभी-कभी यह भ्रांति भी फैल जाती है कि दोनों अभिन्न हैं। वस्तुतः भाषा लिपि के बिना भी रह सकती है। किसी भी भाषा विशेष के लिए

परंपरा के आधार पर एक विशेष लिपि निश्चित हो जाती है; जैसे- हिंदी के लिए 'देवनागरी लिपि'। लिखित भाषा स्थायी होती है। इसी के आधार पर मनुष्य की उन्नति और विकास यात्रा का ज्ञान होता है। इसीलिए भाषा को मानव की सांस्कृतिक चेतना की संवाहिका भी कहा जाता है। भाषा और समाज परस्पर अभिन्न माने जाते हैं, क्योंकि भाषा के अभाव में समाज संभव हो ही नहीं सकता। समाज में परस्पर वैचारिक अभिव्यक्ति का साधन भाषा ही होती है।

दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रश्न-1. व्याकरण किसके अध्ययन का आधार है?

प्रश्न-2. हिंदी भाषा की लिपि कौन-सी है?

प्रश्न-3. भाषा और लिपि के संबंध में क्या भ्रम होता है?

प्रश्न-4. लिखित भाषा के आधार पर क्या ज्ञान होता है?

ख. हमारे देश में अनेक प्रकार के धार्मिक और राष्ट्रीय पर्व मनाए जाते हैं। इन त्योहारों को चाहे धार्मिक दृष्टि से मनाया जाए अथवा महापुरुषों की स्मृति में, किसी ऐतिहासिक, पौराणिक घटना प्रसंग की याद में, चाहे फसल की कटाई अथवा अनाज भंडारण की खुशी में मनाया जाता हो, इनके मूल में देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत करने का उद्देश्य छिपा रहता है। ये त्योहार जनमानस को नवोल्लास से भर देते हैं। ऋतु परिवर्तन के रूप में मनाए जाने वाले त्योहारों से हमारी प्रकृति से निकटता बढ़ती है। राष्ट्रीय पर्वों से हमारे मन में राष्ट्र-प्रेम, देश भक्ति, त्याग और बलिदान की भावना प्रबल होती है। स्वतंत्रता दिवस, गांधी जयंती और गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाए जाते हैं।

दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रश्न-1. भारतवर्ष में किन-किन आधारों पर त्योहार मनाए जाते हैं?

प्रश्न-2. त्योहार मनाने के मूल में क्या कारण छिपा होता है?

प्रश्न-3. कौन-सा त्योहार हमें प्रकृति से जोड़ने का कार्य करता है?

प्रश्न-4. राष्ट्रीय त्योहारों का संबंध किन भावनाओं से है?

प्रेरणादायक मूल्य

हमें हमेशा मर्यादित भाषा का प्रयोग करना चाहिए क्योंकि गलत भाषा के प्रयोग से हमारा जीवन संकटमय हो सकता है।

अध्याय 15

संवाद-लेखन
(Dialogue Writing)

पढ़िए और समझिए

दो या दो से अधिक लोगों के बीच होने वार्तालाप (बातचीत) को संवाद कहते हैं।

मनुष्य संवाद के माध्यम से ही समाज में संपर्क स्थापित करता है। जब हम बोले या सुने जाने वाले संवाद को लिखते हैं, तो उसका तरीका अलग होता है। आइए, संवाद लिखने का सही तरीका जानने का प्रयत्न करें-

संवाद-लेखन के लिए दी गई बातों का ध्यान रखिए-

- भाषा सरल एवं भावानुकूल होनी चाहिए।
- मुख्य विषय को ध्यान में रखते हुए संवाद लिखिए।
- विराम-चिह्नों का उचित प्रयोग कीजिए।
- भाव व स्थिति कोष्ठक ( ) में लिखकर स्पष्ट करनी चाहिए।
- शुरुआत व अंत की भाषा का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

दिए गए लिखे संवाद को पढ़िए-

1. दो मित्रों में अध्यापक के व्यवहार के विषय में संवाद :

राहुल : मोहित, तुम क्यों रो रहे हो?

मोहित : मुझे हिंदी के शिक्षक ने कक्षा से बाहर निकाल दिया।

राहुल : ऐसा क्यों हुआ?

मोहित : मैं गृहकार्य पूरा करके नहीं गया था।

राहुल : तो तुमने गृहकार्य क्यों नहीं किया?

मोहित : कल मै टी.वी. पर फ़िल्म देखने लग गया और उसके बाद सो गया।

राहुल : स्पष्ट है कि भूल तुम्हारी है। तुम्हें अपने कार्य के प्रति ईमानदार होना चाहिए।

मोहित : मुझसे गलती हो गई है। अब मैं क्या करूँ?

राहुल : तुम उनसे क्षमा-प्रार्थना करो। वे तुम्हें क्षमा कर देंगे।

मोहित : ठीक है! मैं अभी क्षमा-प्रार्थना करता हूँ।

2. पिता और पुत्र के बीच संवाद :

पिता : कार्तिक, आज तुम स्कूल नहीं गए?

कार्तिक : आज देर से जाऊँगा, स्कूल में आज खेल-कूद प्रतियोगिता होगी।

पिता : अच्छा, तो यह बात है! तुमने खेलों में भाग नहीं लिया?

कार्तिक : मैंने भी भाग लिया है, सौ मीटर दौड़ में। यह प्रतियोगिता शाम को तीन बजे होगी। दो बजे तक मैं स्कूल पहुँच जाऊँगा।

पिता : अच्छी बात है, पर तुम्हें मैंने कभी दौड़ का अभ्यास करते नहीं देखा। बिना अभ्यास के तुम सफल कैसे हो सकोगे?

कार्तिक : आपको शायद मालूम नहीं, मैं पिछले पंद्रह दिनों से पार्क में जाकर रोज़ शाम को दौड़ लगाता हूँ।

पिता : यह बात मुझे सच में नहीं मालूम, तुम तो छुपे रुस्तम निकले। लेकिन स्कूल में और भी कई खेल होते होंगे। क्या किसी और खेल में भी तुम्हारी रुचि है?

कार्तिक : नहीं पिता जी, बस मुझे दौड़ना अच्छा लगता है।

पिता : ठीक है, अब जाकर स्कूल जाने की तैयारी करो। यदि संभव हुआ तो तुम्हारा खेल देखने मैं भी आऊँगा।

अभ्यास कार्य

लेखन कार्य

Writing Skills

1. परीक्षा परिणाम की चिंता करते हुए, आपके माता-पिता के बीच संवाद को लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

2. कक्षा में शोर मचाने पर अध्यापिका और छात्रा के बीच संवाद को लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

प्रेरणादायक मूल्य

मूर्ख लोगों से संवाद करने से अच्छा है, शांत रहना इसलिए शांत रहने का प्रयास करें।

अध्याय 16

पत्र–लेखन
(Letter Writing)

पढ़िए और समझिए

पत्र लिखित भाषा का एक रूप है। पुराने समय में अपने मित्रों, परिचितों को संदेश भेजने का केवल एक माध्यम था–'पत्र'। आजकल संचार के नए-नए साधनों के आ जाने से पत्रों के आदान-प्रदान में कमी अवश्य आई है, परंतु इनका महत्व अभी भी कम नहीं हुआ है।

पत्र लिखते समय ध्यान रखने योग्य बातें–

- पत्र की भाषा सदा ही सरल, सहज और बोधगम्य होनी चाहिए।
- वाक्य सदैव छोटे और अर्थपूर्ण होने चाहिए।
- पत्र साफ़ और सुंदर लिखना चाहिए।
- विराम चिह्नों का उचित स्थानों पर प्रयोग अवश्य होना चाहिए।
- पत्र लिखते समय उचित स्थान पर अपना नाम, पता तथा पाने वाले का नाम, पता लिखना चाहिए।
- जिसको पत्र भेजा जा रहा है, उसके लिए उचित संबोधन का प्रयोग किया जाना चाहिए।
- औपचारिक पत्रों में संबोधन के लिए मान्यवर, महोदय/महोदया आदि शब्दों का प्रयोग होता है।
- अनौपचारिक पत्रों में मित्रों और अपने से छोटों के लिए प्रिय और बड़ों के लिए आदरणीय/पूजनीय शब्दों का प्रयोग किया जाता है।
- औपचारिक पत्रों में विषय अवश्य लिखना चाहिए।
- परीक्षा भवन से पत्र लिखते समय अपने पते के स्थान पर परीक्षा भवन लिखना चाहिए।

पत्र के प्रकार– पत्र के मुख्य रूप से दो प्रकार होते हैं:

पत्र
- अनौपचारिक-पत्र
- औपचारिक-पत्र

अनौपचारिक-पत्र– इन पत्रों को व्यक्तिगत पत्र भी कहते हैं। ये पत्र परिजनों और मित्रों को लिखे जाते हैं।

औपचारिक-पत्र– ये पत्र उन व्यक्तियों को लिखे जाते हैं, जिनसे हमारा कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं होता। ये पत्र ज्यादातर प्रधानाचार्य, संपादक, पुस्तक विक्रेता अथवा किसी अधिकारी को लिखे जाते हैं।

पत्रों पर पता लिखना

औपचारिक-पत्र पर पते का नमूना

डाक टिकट

सेवा में,
प्रधानाचार्य,
राजकीय इंटर कॉलेज,
पार्क रोड,
मुज्जफरनगर (यू.पी.)
पिन कोड :..............................

प्रेषक:
दमयंत चौधरी
सिविल लाइंस
मुज्जफरनगर (यू.पी.)
पिन कोड :..............................

अनौपचारिक-पत्र पर पते का नमूना

डाक टिकट

सेवा में,
श्री राघवेंद्र यादव
518 लक्ष्मीबाई नगर,
नई दिल्ली
पिन कोड :..............................

प्रेषक:
सुगम यादव
64, कैसरगंज
लखनऊ
पिन कोड :..............................

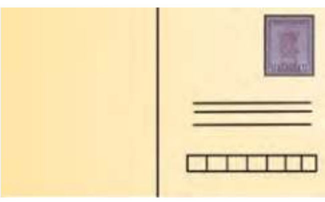

अनौपचारिक-पत्र का प्रारूप

....
....
.... → प्रेषक का नाम और पता

दिनांक → ....

.... → संबोधन

....
....
.... → कुशल क्षेम

....
....
....
.... → मुख्य विषय वस्तु

....
.... → समापन

.... → संबंध

.... → प्रेषक का नाम/उपनाम नाम

अनौपचारिक-पत्र का उदाहरण

मित्र को शुभकामना पत्र

परीक्षा भवन

अ.ब.स.

20 अप्रैल, 20......

प्रिय मित्र संजू,

सप्रेम नमस्ते।

मैं यहाँ कुशल से हूँ और आशा करता हूँ कि वहाँ पर भी सब कुशल-मंगल होंगे। बहुत समय से तुम्हारा कोई समाचार नहीं मिला, शायद परीक्षाओं की तैयारी में व्यस्त रहे होंगे।

कल तुम्हारे बड़े भैया से बात हुई तो ज्ञात हुआ कि तुमने बोर्ड परीक्षा के अंतर्गत जिले में सर्वोच्च स्थान

प्राप्त किया है। सच, मित्र मुझे तुम्हारी योग्यता पर गर्व है। मेरे और मेरे परिवार की ओर से असीमित शुभकामनाएँ। तुम्हारे परिणाम ने यह साबित कर दिया है कि तुम दृढ़-संकल्पी और कठिन परिश्रम करने वाले छात्र हो।

मैं सदैव तुम्हारे उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। तुमने अपने परिवार और विद्यालय का नाम रोशन किया है। इसी प्रकार आगे भी सबका नाम उज्ज्वल करते रहो। ऐसी मेरी कामना है।

शुभकामनाओं सहित

तुम्हारा मित्र,

अर्पित।

औपचारिक-पत्र का प्रारूप

सेवा में,

....

....

....

.... → विषय

महोदय/महोदया

....

....

.... → मूल विषय वस्तु

....

.... → समापन

....

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य

नाम ....

कक्षा ....

दिनांक ....

औपचारिक-पत्र का उदाहरण

वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित करने हेतु पत्र।

सेंट चार्ल्स सीनियर सेकेंड्री स्कूल

सरधना रोड,

सरधना/मेरठ।

सेवा में,

प्रधानाचार्य

सेंट चार्ल्स स्कूल

सरधना।

विषय: वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए अनुमति पत्र।

आदरणीय महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि हम कक्षा चार 'स' के विद्यार्थी अपने विद्यालय में ही अंतर सदनीय वाद-विवाद प्रतियोगिता 14 सितंबर (हिंदी दिवस) को आयोजित करना चाहते हैं। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय होगा 'हिंदी हमारी शान'। प्रतियोगिता का उद्देश्य है 'आत्मविश्वास वृद्धि'।

अत: आपसे निवेदन है कि आप हमें विद्यालय में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित करने की अनुमति प्रदान करें। आपकी अति कृपा होगी।

सधन्यवाद।

आज्ञाकारी छात्र/छात्राएँ

कक्षा चार 'स'

- लिफ़ाफ़े पर पते के साथ पिनकोड अवश्य लिखना चाहिए।
- पोस्टल इंडेक्स नंबर को संक्षेप में पिनकोड कहते हैं।
- पते के साथ पिनकोड नं. लिखने से पत्र आसानी से उचित स्थान पर पहुँच जाता है।
- परीक्षा भवन से पत्र लिखते समय अपने नाम के स्थान पर अ.ब.स. तथा पते के स्थान पर परीक्षा भवन लिखना चाहिए।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को पत्र लिखने की संपूर्ण विधि समझाएँ।

आइए, पुनरावृति करें

- पत्र लिखित रूप में संदेश भेजने का सर्वश्रेष्ठ व प्राचीन माध्यम है।
- पत्र दो प्रकार के होते हैं–1. अनौपचारिक-पत्र 2. औपचारिक-पत्र।
- पत्रों में शिष्ट भाषा का प्रयोग करना चाहिए।
- विराम-चिह्नों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए।

अभ्यास कार्य

लेखन कार्य

Writing Skills

1. अपने ममेरे भाई को आगामी छुट्टियों में अपने घर आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए।
2. आपका विद्यालय अक्टूबर माह में 'जिम कार्बेट' जाने की योजना बना रहा है। कक्षा चार से आठ तक के विद्यार्थी इसमें जा सकेंगे। इस योजना में भाग लेने के लिए पिता जी को पत्र लिखकर अनुमति माँगिए और 1000 रुपए भेजने की विनती कीजिए।
3. 'दैनिक जागरण' समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर अपने क्षेत्र की खुली नालियों और गंदगी की सूचना दीजिए और स्वच्छता अभियान चलाते हुए कॉलोनी की दशा सुधारने का अनुरोध कीजिए।
4. पुस्तकालय का कार्ड खो जाने की स्थिति से अवगत कराते हुए पुस्तकालयाध्यक्ष को पत्र लिखिए और दूसरा कार्ड बनाने का अनुरोध कीजिए।

खेल-खेल में

Creative Thinking

5. पुराने समय में प्रयोग होने वाले तरह-तरह के पत्रों और पत्रों पर लगने वाली डाक टिकटों का संग्रह कीजिए और एक एलबम बनाइए।

प्रेरणादायक मूल्य

अपनी गलती के लिए दूसरों को कोसने का प्रयास न करें, इससे बेहतर है कि अपनी कमियाँ खोजें।

अध्याय 17

अनुच्छेद-लेखन (Paragraph-Writing)

पढ़िए और समझिए

अनुच्छेद-लेखन एक अनूठी कला है जिसमें हम किसी एक विषय पर अपने विचार संक्षेप में लिखते हैं। अनुच्छेद निबंध का ही लघु रूप होता है।

अनुच्छेद लिखते समय हमें दी गई बातों को स्मरण रखना चाहिए–

- भाषा सरल एवं सुग्राह्य होनी चाहिए।
- अनुच्छेद में शब्दों की संख्या लगभग 120 से 140 शब्दों तक होनी चाहिए।
- अनुच्छेद छोटा किंतु भाव की दृष्टि से पूर्ण होना चाहिए। जिसमें वाक्य छोटे, सार्थक और सरल शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।
- आवश्यकतानुसार मुहावरों तथा सूक्तियाँ आदि का प्रयोग करना चाहिए।

1. परोपकार

परोपकार एक अत्यंत मानवीय गुण है। यह वह कठिन डगर है जहाँ तन-मन को कष्टों की अग्नि में झुलसाकर तलवार की नंगी धार पर चलना पड़ता है। तभी तो परोपकारी व्यक्ति सामान्य मनुष्य की कोटि से उठकर ईश्वर समान हो जाता है। इतिहास के पन्नों में उसका नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित हो जाता है। सिद्धार्थ ने समस्त सांसारिक सुख त्यागकर निर्वाण का मार्ग चुना, फिर सिद्धार्थ से बुद्ध हो गए। ऋषि दधीचि ने इंद्रदेव की प्रार्थना पर अपनी हड्डियाँ दान में दे दीं, तभी 'वज्र' बन पाया। राजा शिवि द्वारा अपने शरीर का माँस दान करना, ईसा

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को-अनुच्छेद लेखन की विधियों का अभ्यास कराएँ।

मसीह का सूली पर चढ़ना, शहीदों का राष्ट्रहित पर बलिदान हो जाना परहित साधना ही तो है। वास्तव में यह वह महान त्याग है, जिसमें विश्व-हित निहित है। यही मोक्ष का द्वार भी खोलता है।

3. पानी बचाओ, जीवन बचाओ

पानी हमारे जीवित रहने के लिए आवश्यक है। यह हमारे जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। पानी का उपयोग प्रतिपल किसी-न-किसी रूप में किया जाता है। पानी सुबह से लेकर रात्रि तक प्रयोग किया जाता है। यहाँ तक कि हमारे शरीर का भी 65 प्रतिशत भाग जल ही बनाता है। इस दृष्टि से जल को जीवन का पर्याय कहा जाए तो अतिश्योक्ति न होगी।

4. बस अड्डे का दृश्य

बस अड्डे का नाम ध्यान आते ही आँखों के सामने एक अनोखा दृश्य उभरकर सामने आता है। बसों का इधर-उधर आना-जाना, लोगों का सामान उठाए बसों के पीछे भागना और चारों ओर अफरा-तफरी का माहौल। बस अड्डे में एक बड़ा तथा ऊँचा-सा भवन होता है। वहाँ अनेक नगरों के नाम लिखे होते हैं एवं बहुत-सी बसें स्थान-स्थान पर खड़ी होती हैं। प्लेटफार्म पर बैठने का स्थान होता है। सभी यात्री वहाँ बैठकर बस का इंतज़ार करते हैं। प्लेटफार्म पर चाय के स्टॉल, अख़बारों और पुस्तकों की दुकानें, पूछताछ के लिए कार्यालय होता है। प्रत्येक बस अपने निश्चित स्थान पर खड़ी होती है। बस अड्डे पर प्रातः दस बजे तक बहुत चहल-पहल रहती है क्योंकि लोगों को सुबह के समय स्कूल, कॉलेज तथा नौकरी पर जाना होता है। दोपहर के समय यहाँ थोड़ी शांति रहती है, परंतु शाम को फिर से यात्रियों की वापसी का जमघट लग जाता है। ज्यों ही कोई बस यहाँ पर आती है तो बस से उतरने वालों को नीचे उतरने की शीघ्रता होती है और बस से जाने वालों को बस में चढ़ने की शीघ्रता होती है, दोनों में धक्का-मुक्की हो जाती है, इसी भीड़-भाड़ में वस्तुएँ बेचने वालों को भी जल्दी होती है, अपनी चीज़ें बेचने की। इस तरह उस समय अफरा-तफरी और व्यस्तता का माहौल बन जाता है। ज्यों ही यात्री बस से उतरते हैं, उन्हें रिक्शेवाले तथा टैक्सीवाले घेर लेते हैं और शुरू हो जाती है सौदेबाजी। इस प्रकार बस अड्डे का दृश्य लोगों का एक अस्त-व्यस्त मेला-सा लगता है।

अभ्यास कार्य

1. दिए गए विषयों पर एक अनुच्छेद लिखिए।

(क) मेरी प्रिय ऋतु / त्योहार।

(ख) जब मैं पहली बार पूरा दिन घर में अकेला रहा / जब मैंने पहली बार स्टेज पर गाना गाया।

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) अनुच्छेद-लेखन से आप क्या समझते हैं?

(ख) अनुच्छेद-लेखन के समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

अध्याय 18

निबंध-लेखन
(Essay Writing)

पढ़िए और समझिए

जब किसी विषय का अलग-अलग अनुच्छेदों में बिंदुवार वर्णन किया जाता है, तब उसे **निबंध लेखन** कहते हैं। निबंध का अर्थ ही है 'अच्छी प्रकार से बँधी हुई रचना' अर्थात् निबंध के द्वारा हम अपने भावों-विचारों को अच्छी प्रकार से व्यक्त कर सकते हैं। निबंध का आकार अनुच्छेद की अपेक्षा बड़ा होता है और निबंध को कई अवतरणों में लिखा जाता है।

मूल रूप से निबंध के तीन भाग होते हैं-

1. प्रस्तावना 2. मध्य भाग (विषय वस्तु) 3. उपसंहार (समापन)

निबंध लिखते समय ध्यान रखने योग्य बातें-

- ✦ निबंध के विषयानुसार पूरी जानकारी प्राप्त करना।
- ✦ विषय के अनुसार रूपरेखा बनाना।
- ✦ अलग-अलग बिंदु का अलग-अलग विस्तार करना।
- ✦ भाषा सरल, वाक्य छोटे एवं शब्द सीमा का ध्यान रखना।
- ✦ विषय के अनुसार मुहावरे, लोकोक्तियाँ, उदाहरण आदि लिखना।
- ✦ लिखावट सुंदर एवं साफ़ होनी आवश्यक है।

- **आइए, अब निबंध लिखना सीखें-**

• योगासन का महत्व

• 21 जून, 2015 को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की पहल पर योग दिवस की घोषणा की गई और विश्व के जन-जन ने योग की महत्ता समझी। आज का जीवन अत्यधिक व्यस्त हो गया है, किसी को भी शारीरिक व्यायाम अथवा श्रम करने का न तो समय है और न ही उस प्रकार की जीवन-चर्या ही रह गई है। यहाँ तक कि खाने-पीने की कोई भी वस्तु शुद्ध नहीं मिल पा रही है। अत्यधिक

व्यावसायीकरण होने के कारण हर वस्तु में मिलावट की जा रही है और इसी कारण मानव शरीर दिन-प्रतिदिन दुर्बल एवं अस्वस्थ होता जा रहा है। गंभीर रोगों की संख्या एवं मात्रा बढ़ती जा रही है। ऐसी अवस्था में योग का महत्व और बढ़ जाता है। वास्तव में हम लोग प्राकृतिक जीवन को त्यागकर अप्राकृतिक जीवन की ओर बढ़ते जा रहे हैं। यदि निम्नलिखित पंक्तियों का हम जीवन में अनुसरण कर लें, तो संभवतः स्थिति कुछ हद तक सुधर जाए–

"प्रकृति की शिक्षा है अनमोल,
समझो उसको न जाओ भूल,
अपना लें गर उसको हम जीवन में,
जीवन सबका बन जाए अनमोल।"

प्रकृति के सान्निध्य में कुछ समय बिताना और थोड़ा-सा योगासन हमारे शरीर को स्वस्थ और क्रियाशील बना सकता है।

योगासन क्या है– योग का अर्थ है, 'जोड़' और आसन का अर्थ है, 'क्रियाएँ' अर्थात् क्रियाओं और श्वास का योग योगासन कहलाता है। यह भी विशिष्ट प्रकार के व्यायाम ही होते हैं, जिसके लिए हमें श्रम करना पड़ता है। योगासन करते समय हमारे शरीर से निकलने वाला पसीना अपने साथ शरीर के अनेक विषैले पदार्थों को बाहर निकालता है, जिससे हमारा शरीर चुस्त-दुरुस्त होता है। रक्त का बहाव नलिकाओं में बढ़ जाता है। लंबी और गहरी साँसें लेने से शरीर को ऑक्सीजन पर्याप्त मात्रा में मिलती है, फलस्वरूप शरीर को रोगों से लड़ने की शक्ति मिलती है और हमारा शरीर नियमित एवं अनुशासित हो जाता है।

योगासन का समय अपनी दिनचर्या के अनुसार निश्चित रखना चाहिए। यथासंभव यह समय प्रातःकाल का ही होना चाहिए, क्योंकि प्रातःकाल की वायु शीतल और वातावरण शुद्ध होता है। योगासन सदा खुले स्थान या पार्क आदि में करना चाहिए। सदा याद रखना चाहिए कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। स्वस्थ मन-मस्तिष्क वाला व्यक्ति ही देश व समाज के हित व कल्याण की बात सोच सकता है।

निम्नलिखित पंक्तियाँ सदा स्मरण रखनी चाहिए–

"21 जून हुआ बड़ा महान,
मोदी जी ने दिया हमें आत्मज्ञान,
भूल गए थे हम स्वास्थ्य की रक्षा,
इससे पाएँ हम अपनी सुरक्षा।

तिरंगा प्यारा

भारत हमारा देश है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा है, जो हमारा मान-सम्मान है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज एकता का प्रतीक माना जाता है। प्रत्येक स्वतंत्र देश का एक झंडा अवश्य होता है।

हमारा राष्ट्रीय ध्वज तीन रंगों का है, इसीलिए इसे तिरंगा भी कहते हैं। इसमें सबसे ऊपर की पट्टी में केसरिया रंग, बीच की पट्टी में सफ़ेद रंग और सबसे नीचे की पट्टी हरे रंग की होती है। तिरंगे के बीच में सफ़ेद पट्टी में एक नीले रंग का अशोक चक्र होता है, जिसमें एक समान दूरी पर पट्टी के ऊपर 24 तीलियाँ होती हैं। यह चक्र समय और प्रगति का सूचक है। सभी रंग भी हमें कोई-न-कोई संदेश देते हैं। यथा– केसरिया रंग त्याग और बलिदान का, सफ़ेद रंग शांति और अहिंसा का तथा हरा रंग समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक है।

हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमें एकता, शांति और इनसानियत की सीख देता है। सच्चाई के प्रति हमारी आस्था को बढ़ाने वाला हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारी शान है। हर वर्ष 15 अगस्त और 26 जनवरी को यह ध्वज फहराया जाता है। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री और 26 जनवरी को राष्ट्रपति द्वारा फहराया जाता है।

राष्ट्रीय ध्वज फहराते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है–

1. खराब या क्षतिग्रस्त झंडे को नहीं फहराना चाहिए।
2. सजावट के कार्यों के लिए इसका प्रयोग नहीं करना चाहिए।
3. तिरंगे का आकार हमेशा 3 : 2 के अनुपात में होना चाहिए।
4. रात्रि के समय ध्वजारोहण नहीं करना चाहिए।
5. ध्वजारोहण के तुरंत पश्चात् जन-गण-मन का सस्वर वाचन होना चाहिए।

"लहर-लहर लहराए तिरंगा
फहर-फहर फहराए तिरंगा
तिरंगा है हम सब की शान
हमको याद दिलाए तिरंगा"
"जन गण मन अधिनायक जय हो
ज्योति अखंड जलाए तिरंगा।"

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को निबंध-लेखन शैली से अवगत कराएँ।

अभ्यास कार्य

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए विषयों पर 100 शब्दों में निबंध लिखिए-

(क) स्वच्छ भारत / स्वच्छता अभियान

(ख) मेरी शिक्षिका / मेरी माँ

(ग) मेरा प्रिय खेल / मेरा मनपसंद त्योहार

(घ) मधुर भाषा / आपका व्यवहार / आपका परिचय

हिंदी भाषा का महत्व

- हिंदी भाषा 80 करोड़ से भी अधिक भारतीयों द्वारा प्रयोग में लाई जाती है।
- यह मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार आदि में प्रयोग की जाती है।
- फ़िजी, सूरीनाम, ट्रिनीडाड, मलेशिया आदि देशों में भी हिंदी बोली जाती है।
- आज विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में हिंदी का दूसरा स्थान है।
- हिंदी धारावाहिक, विज्ञापन, समाचार चैनल आदि दूसरों के मुकाबले अधिक देखे जाते हैं।
- 14 सितंबर, 1949 को हिंदी भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार की गई और केंद्रीय सरकार के कामकाज के लिए अनिवार्य घोषित कर दी गई। 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।
- हिंदी विश्व की एकमात्र वैज्ञानिक भाषा है, जो बोलने और लिखने में समान है।
- संपूर्ण भारत में हिंदी का प्रयोग राजभाषा तथा संपर्क भाषा के रूप में किया जाता है।
- हिंदी के अलावा इतनी विशेषताएँ शायद ही किसी अन्य भाषा में दिखाई दें, अतः हमें हिंदी का प्रयोग करते समय गौरव का अनुभव करना चाहिए।

प्रेरणादायक मूल्य

पानी को बर्फ़ में बदलने में वक्त लगता है, इसलिए अच्छे समय का इंतज़ार करना चाहिए।

अध्याय 19

कहानी-लेखन
(Story Writing)

पढ़िए और समझिए

बच्चो! बचपन से ही हम लोग नानी, दादी से कहानी सुनाने की ज़िद करते हैं और वे भी बड़े चाव से हमको कहानी सुनाने लगती थीं।

कहानियाँ रोचक तो होती ही हैं साथ ही शिक्षाप्रद भी होती हैं। कुछ कहानियाँ कठिन परिश्रम करने और आगे बढ़ने की शिक्षा देती हैं। कहानी सुनाने के ढंग से भी कहानी की रोचकता बढ़ती है। कहानी सुनाना भी एक कला है और कहानी लिखना भी एक कला है।

कहानी लिखते समय ध्यान रखने वाली बातें-

- घटनाओं को रोचक ढंग से क्रमवार संयोजित करके प्रस्तुत करना चाहिए।
- भाषा सुंदर तथा स्पष्ट होनी चाहिए।
- विषय अथवा चित्र जिससे संबंधित कहानी लिखनी है, उसके विषय में संपूर्ण सामग्री जुटाकर बिंदुवार लिखना चाहिए।
- सभी बिंदुओं को इस प्रकार जोड़ लेना चाहिए जिससे कि घटनाएँ आपस में जुड़ती जाएँ।
- कहानी के अंत में उसकी सीख लिखना बहुत ज़रूरी होता है।

उदाहरण:

1. हिम्मत और भरोसा

एक भयानक तूफ़ान के कारण समुद्र में हलचल हो रही थी। जिसकी वजह से हज़ारों मछलियाँ किनारे की रेत पर आ गईं और तड़प-तड़पकर मरने लगीं। इस भयानक स्थिति को देखकर पास ही खड़ा एक छह वर्षीय बालक बहुत दु:खी हो रहा था। उसने थोड़ी देर सोचा, और फिर एक-एक मछली उठा-उठाकर समुद्र में वापस फेंकने लगा, यह देखकर उसकी माँ बोली, बेटा! इनकी संख्या तो बहुत है, तू कितनों को बचाने का प्रयास करेगा। यह सुनकर बच्चे ने अपनी गति और

बढ़ा दी। माँ फिर बोली, "बेटा छोड़ जाने दे, एक अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता।"

यह सुनकर बच्चा ज़ोर-ज़ोर से रोने लगा और तेज़ी से मछलियाँ समुद्र में फेंकने लगा, फिर वह एकाएक ज़ोर से बोला, "नहीं माँ, फ़र्क तो पड़ता है क्योंकि बूँद-बूँद करके घड़ा भरता है। वह दूसरी मछली को उठाता फिर कहता, माँ इसको तो फ़र्क पड़ता है। माँ ने बच्चे को सीने से लगा लिया और प्यार से बोली, "हाँ बेटा, फ़र्क तो पड़ता है।"

संदेश: इंसान को हमेशा हिम्मत और भरोसा देने का प्रयास करें। हिम्मत देने से न जाने कब किसकी ज़िंदगी बदल जाए!

2. परहित

एक न्यायप्रिय बादशाह था वह अपनी प्रजा के हित के लिए हमेशा तत्पर रहता जिसके कारण प्रजा उसका बहुत सम्मान करती थी।

एक दिन वह जंगल में शिकार के लिए जा रहा था, रास्ते में उसने एक वृद्ध को एक छोटा-सा पौधा लगाते देखा। बादशाह ने उसके पास जाकर कहा– 'आप यह किस चीज़ का पौधा लगा रहे हैं?' वृद्ध बहुत धीमे स्वर में बोला–'अखरोट का'। बादशाह ने हिसाब लगाया कि उसके बड़े होने और उस पर फल आने में कितना समय लगेगा। हिसाब लगाकर अचरज से वृद्ध की ओर देखा और बोला– 'सुनो भाई, इस पौधे के बड़े होने और फल आने में कई साल लग जाएँगे, तब तक तुम तो रहोगे नहीं।' वृद्ध ने बादशाह की ओर देखा। बादशाह को लग रहा था कि वृद्ध ऐसा कार्य कर रहा है, जिसका फल उसे नहीं मिलेगा। वृद्ध राजा के मन के विचार भाँप गया। उसने बादशाह से कहा– 'आप सोच रहे होंगे, मैं पागलपन का कार्य कर रहा हूँ। जिस चीज़ से आदमी को फायदा नहीं पहुँचता, उस पर कौन मेहनत करता है? लेकिन हमें यह सोचना चाहिए कि हमने कितने लोगों की मेहनत का फायदा उठाया है? क्या हमारे बड़ों ने अपने लगाए पेड़ों के फल खाए हैं? क्या उनका कर्ज़ उतारने के लिए हमें कुछ नहीं करना चाहिए? क्या मुझे यह भावना हृदय में रखकर पेड़ नहीं लगाने चाहिए कि उनके फलों से दूसरों का भला होगा?' बूढ़े की बात से बादशाह ने शिक्षा ग्रहण की और सौगंध खाई कि वह रोज़ाना एक वृक्ष अवश्य लगाएगा।

सीख: अपने कार्य को नि:स्वार्थ रूप से करने से मन को शांति एवं सुकून मिलता है क्योंकि हमें दूसरों के हित को ध्यान में रखते हुए कार्य करना चाहिए।

बंदर तथा बिल्लियाँ

किसी जंगल में दो बिल्लियाँ रहती थीं। एक दिन वे कहीं से रोटी का एक टुकड़ा उठा कर ले आईं। वे उसे बराबर–बराबर दो भागों में बाँटकर खाना चाहती थीं, मगर बँटवारे पर उनमें आपस में झगड़ा होने लगा।

तभी अचानक चालाक बंदर उधर आ पहुँचा। उसने देखा कि बिल्लियाँ रोटी के एक टुकड़े के बँटवारे को लेकर आपस में झगड़ रही हैं। बंदर उन्हें झगड़ते देखकर यह सोचने लगा कि रोटी का टुकड़ा कैसे खाया जाए? बंदर को एक उपाय सूझा। उसने बिल्लियों से कहा– "तुम दोनों आपस में क्यों लड़ रही हो?" बिल्लियों ने बताया कि वे रोटी के दो बराबर–बराबर टुकड़े करना चाहती हैं। झगड़ा इसी बात का है कि दोनों टुकड़ों को बराबर कैसे किया जाए?

बंदर बोला– "बस, अरे! इतनी–सी ही बात है? यदि तुम दोनों चाहो तो मैं इस रोटी के टुकड़े के दो बराबर भाग कर दूँ।" बिल्लियाँ राज़ी हो गईं ।

बंदर एक तराजू ले आया। उसने रोटी के उस टुकड़े के दो भाग करके तराजू के दोनों पलड़ों में रखे, पर एक पलड़े में ज्यादा वज़न हो गया। इस पर बंदर ने उसमें से थोड़ा–सा टुकड़ा तोड़ा और खा लिया। अब दूसरा पलड़ा भारी हो गया। बंदर ने इस बार उसमें से थोड़ा–सा टुकड़ा तोड़ा और वह भी खा लिया। बार–बार ऐसा करने से आधी रोटी रह गई।

बिल्लियों ने क्रोध में आकर कहा– "भाई बंदर! बस हो गया बँटवारा! हमारी रोटी हमें वापस कर दो। हम स्वयं ही बाँट लेंगी।" बंदर बोला– "यदि तुम्हें रोटी स्वयं ही बाँटनी थी तो फिर मुझसे इतनी मेहनत क्यों करवाई? जानती नहीं, मेरा कितना कीमती समय नष्ट हुआ। उसका हरजाना कौन भरेगा?" बंदर ने बची हुई रोटी भी मुँह में डालते हुए कहा, "यह टुकड़ा मेरी मेहनत के लिए है।" मूर्ख बिल्लियाँ बंदर का मुँह देखती रह गईं।

सीखः आपस में झगड़ने से फायदा तीसरे को होता है इसलिए आपसी झगड़ों को स्वयं ही सुलझा लेना चाहिए।

अभ्यास कार्य

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए संकेतों के आधार पर एक कहानी की रचना कीजिए।

- एक तालाब में एक कछुआ और दो बगुले
- सूखा पड़ा
- दोनों बगुले अन्य स्थान की ओर
- कछुआ बोला– मैं भी चलूँगा
- बगुलों ने चोंच में लकड़ी पकड़ी
- कछुए ने बीच से पकड़ा
- बगुलों ने कहा, 'बोलना नहीं'
- उड़ चले, नगरवासियों ने देखा, बोले पत्थर ले जा रहे हैं।
- कछुआ क्रोधित होकर बोल पड़ा, गिर पड़ा, मर गया।
- शिक्षा– एकाग्रता से कार्य करना

2. दिए गए गद्यांश के खाली स्थानों को भरकर कहानी पूर्ण कीजिए।

हेमचंद एक किसान था। अब वह .... हो चला था। वह बहुत .... और परिश्रमी था। उसके चार बेटे थे। परंतु चारों .... थे। .... के मारे .... दिन घर में पड़े रहते। एक दिन उसने बेटों को .... और कहा, "मैंने अपना सारा धन खेत में छुपा दिया है। मेरी .... के बाद खोदकर .... लेना, और आपस में बाँट लेना।"

कुछ दिन बाद किसान की .... हो गई। पाँच-सात .... बाद .... खेत में जा पहुँचे। उन्होंने .... खेत .... डाला, परंतु उन्हें .... कुछ न मिला। अंत में उन्होंने सोचा कि खेत में .... ही बो दिए जाएँ। परिणाम यह हुआ कि उस अच्छी तरह .... किए खेत में बीज बोए गए और खूब अच्छी फसल पैदा हुई।

उन्हें समझ में आ गया था कि पिता जी ने इस .... से उन्हें .... समझाया।

शीर्षक– .... असली ....

3. दिए गए विषयों के आधार पर कहानी लिखिए।

1. एकता की ताकत

2. बुद्धिमान लोमड़ी

प्रेरणादायक मूल्य

हर बात को दूसरों को नहीं बताना चाहिए क्योंकि कुछ बातों को गुप्त रखने से व्यक्ति का वैभव बढ़ता है।

चित्र-वर्णन
(Picture Description)

अध्याय 20

पढ़िए और समझिए

बच्चो! चित्रों को देखकर मन में विभिन्न विचार उठते हैं, उन्हें अपने शब्दों में लिखना ही चित्र-वर्णन कहलाता है। चित्र-वर्णन से कल्पना-शक्ति बढ़ती है क्योंकि इससे दृश्यों को समझने की क्षमता का विकास होता है।

चित्र-वर्णन करते समय ध्यान रखने वाली बातें-

- पहले चित्र को बारीकी से देख लेना चाहिए।
- चित्र-वर्णन करते समय वाक्य चित्र से संबंधित होने चाहिए।
- चित्र-वर्णन में अनावश्यक बातों को नहीं लिखना चाहिए।

उदाहरण-

दिए गए चित्र को देखकर उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए-

1. यह एक झरने का दृश्य है।
2. एक बच्चा ऊँचाई से गिरते हुए जल के मनोरम नज़ारे को मोबाइल में कैद कर रहा है।
3. दो लड़के दूर से झरने का आनंद ले रहे हैं।
4. आसमान में सूरज चमक रहा है।
5. झरने के आसपास पेड़-पौधे उगे हुए हैं।

अभ्यास कार्य

(क) दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. रात्रि के समय आकाश में देखिए, चाँद कैसा दिखाई देता है? इसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तरः ____________________

____

2. चित्र-वर्णन से कल्पना शक्ति बढ़ती है। कैसे? बताइए।

उत्तरः ____________________

____

3. चित्र-वर्णन की परिभाषा लिखिए।

उत्तरः ____________________

____

(ख) दिए गए चित्र को देखकर उसका वर्णन कीजिए।

(ग) संकेतों के आधार पर नीचे बने चित्र को देखकर वर्णन कीजिए।

15 अगस्त, विद्यालय, प्रधानाचार्य, तिरंगा झंडा, राष्ट्रीय गान, सफ़ेद पोशाक, पंक्तियाँ, अध्यापक-अध्यापिकाएँ

....

....

....

(घ) दिए गए चित्र को देखकर उसका वर्णन कीजिए।

....

....

....

....

....

....

....

(ङ) दिए गए चित्र को देखकर उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(च) दिए गए चित्र का संकेत-शब्दों की सहायता से वर्णन कीजिए।

चौराहा, बस, बच्चा, स्कूटी, ऑटो, स्कूल बस, ट्रैफिक लाइट

(छ) दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर और समझकर उसका वर्णन कीजिए।

....

....

....

....

....

....

(ज) दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और इसके बारे में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

अध्याय 21

अशुद्धि-संशोधन (Error Improvement)

पढ़िए और समझिए

शुद्ध शब्द

शुद्ध शब्द या सही वर्तनी को पहचानने का क्या तरीका है? शब्द के सही उच्चारण से ही सही वर्तनी को पहचाना जा सकता है।

दिए गए चित्र में जो शब्द है, उसकी सही वर्तनी है 'तितली'। अशुद्ध वर्तनी हैं- तीतली, तितलि आदि; क्योंकि इन सबके उच्चारण अलग-अलग हैं। इसलिए सही वर्तनी सीखने के लिए शब्दों का सही उच्चारण आवश्यक है।

वर्तनी के नियमों का पालन न करने वाले विद्यार्थी लिखने में प्राय: अशुद्धियाँ करते हैं। अत: विद्यार्थियों को वर्तनी के नियमों को ध्यान में रखकर शुद्ध शब्द लिखने चाहिए।

सामान्य वर्तनी की अशुद्धियों के कुछ उदाहरण देखिए-

अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द	अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द
इक्षा	इच्छा	बनदर	बंदर
विध्यालय	विद्यालय	कृशण	कृष्ण
लछमी	लक्ष्मी	शबद	शब्द
शिश्टाचार	शिष्टाचार	चीड़ीया	चिड़िया
ठण्डा	ठंडा	हिरदय	हृदय

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को शुद्ध और अशुद्ध शब्दों के बीच विभेद करना सिखाएँ साथ ही कक्षा में इन शब्दों का विस्तारपूर्वक अभ्यास भी करवाएँ।

अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द	अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द
आग्या	आज्ञा	श्रंगार	शृंगार
त्यौहार	त्योहार	आर्शीवाद	आशीर्वाद

शुद्ध वाक्य

वाक्यों में अशुद्धि दोष अनेक कारणों से हो सकते हैं। अशुद्ध वाक्य भाषा की बहुत बड़ी कमी है, इसलिए विद्यार्थियों को वाक्य-शुद्धि के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए।

यहाँ चित्र में अध्यापिका बच्चे से पूछ रही है – 'किया तुम पाठ याद किया?' यह अशुद्ध वाक्य है। शुद्ध वाक्य है– 'क्या तुमने पाठ याद किया?'

वाक्य अशुद्धि के कारण हैं –

- क्रिया को लिंग या वचन के अनुसार न बदलना।
- गलत उच्चारण का प्रयोग।
- गलत मात्रा का प्रयोग।
- गलत सर्वनाम का प्रयोग।
- अधूरी क्रिया का प्रयोग।

अशुद्ध और शुद्ध वाक्यों के कुछ उदाहरण देखिए–

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
पिता जी ने पार्क में गये थे।	पिता जी पार्क गए थे।
हम आपसे कहे थे।	हमने आपसे कहा था।
रोगी को काटकर फल दो।	फल काटकर रोगी को दो।
सड़क में मत चलो।	सड़क पर मत चलो।
मक्खी ने गाय उड़ाई।	गाय ने मक्खी उड़ाई।
लड़का अपना घर जाती है।	लड़की अपने घर जाती है।

अभ्यास कार्य

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) वाक्य की अशुद्धि को हम कैसे पहचान सकते हैं?

(ख) 'मुझे स्वादिष्ट मीठा आम खाया' इस वाक्य को शुद्ध करके लिखिए।

(ग) शुद्ध शब्द किस प्रकार लिखने चाहिए?

(घ) वाक्य अशुद्धि के कोई दो कारण लिखिए।

2. दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्द पर गोला (○) लगाइए ।

(क)	प्राणि	प्राणी	प्रानी	प्रणी
(ख)	स्कूल	इस्कूल	सकूल	स्कुल
(ग)	सतंरा	संतरा	संत्रा	सनतरा

3. शब्दों को शुद्ध करके लिखिए।

अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द	अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द
उदहरण –	....	वीधार्थी –	....
कवी –	....	कृप्या –	....
परिक्षा –	....	त्यौहार –	....

4. उचित विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए।

(क) 'लकरी' का शुद्ध रूप क्या होगा?

☐ लकड़ी ☐ लकरि ☐ लकड़ि ☐ लकीर

(ख) 'आशीरवाद' का शुद्ध रूप क्या होगा?

☐ आसीर्वाद ☐ आशीर्वाद ☐ आसिरवाद ☐ आसीरवाद

प्रेरणादायक मूल्य

प्रत्येक मनुष्य के अंदर कुछ-न-कुछ दोष होते हैं लेकिन जो मनुष्य उन दोषों को त्याग कर आगे बढ़ता है वही जीवन में सफल होता है।

स्वमूल्यांकन पत्र-1

समयः 1 घंटा

नाम : .... **कक्षा :** .... **अनुक्रमांक :** ....

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) भाषा से आप क्या समझते हैं?

(ख) संज्ञा शब्दों को क्या कहा जाता है?

(ग) सर्वनाम का क्या अर्थ होता है?

(घ) विशेषण से आप क्या समझते हैं? इनके कार्यों को लिखिए।

(ङ) वाक्य में क्रिया का क्या स्थान होता है?

(च) लिंग किसे कहते हैं? इसके भेदों को समझाइए।

2. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

(क) .... और .... भाषा के दो रूप होते हैं।

(ख) हिंदी भाषा की लिपि .... है।

(ग) वर्णों का .... समूह शब्द कहलाता है।

(घ) संज्ञा को .... भेदों में वर्गीकृत किया गया है।

(ङ) संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द .... कहलाते हैं।

(च) सार्थक शब्दों के समूह को .... कहा जाता है।

3. दिए गए वाक्यों को शुद्ध कीजिए।

(क) रक्षिता है रही जा बाज़ार। ....

(ख) दौड़ते-दौड़ते थक गए हम। ....

(ग) खरीदी है कार देवांशी ने। ....

(घ) तारे चमकते हैं रात को आकाश में। ....

(ङ) सैनिक हैं करते सेवा देश की। ....

4. सही वाक्यों पर (✓) तथा गलत पर (✗) का चिह्न लगाइए।

(क) हिंदी हमारी मातृभाषा है। ☐

(ख) अध्यापक एक पुल्लिंग शब्द है। ☐

(ग) वचन के चार भेद होते हैं। ☐

(घ) अंग्रेज़ी भाषा की लिपि रोमन है। ☐

(ङ) अविकारी शब्दों में लिंग, वचन का परिवर्तन होता है। ☐

(च) बीता हुआ समय भविष्यत्काल कहलाता है। ☐

5. सही मिलान कीजिए–

(क) रोटी	(i) ग्यारह
(ख) व्यंजन	(ii) मिस्सी
(ग) उर्दू	(iii) नटखट
(घ) बंदर	(iv) कक्षा
(ङ) मीठा	(v) भाषा
(च) चौथी	(vi) आम

6. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) परसों सृष्टि अपनी चाची के घर .... । (जाएगी, जा रही है)

(ख) महात्मा गांधी .... संज्ञा शब्द है। (जातिवाचक, व्यक्तिवाचक)

(ग) आदर देने के लिए सदा .... शब्द प्रयोग किए जाते हैं। (बहुवचन, एकवचन)

(घ) ऑफ़िस एक .... भाषा का शब्द है। (अंग्रेज़ी, संस्कृत)

(ङ) 'ज़' ध्वनि .... से आई है। (बांग्ला, फारसी)

7. दिए गए प्रश्नों में उचित विकल्प का चयन करके सही (✓) का चिहन लगाइए–

(क) भाषा के नियमों का ज्ञान कराने वाला शास्त्र .... कहलाता है।

☐ व्याकरण ☐ भाषा ☐ लिपि

(ख) संस्कृत भाषा की लिपि .... है।

☐ मराठी ☐ देवनागरी ☐ संस्कृत

(ग) क्ष, त्र, ज्ञ, और श्र को कहते हैं–

☐ द्वित्व व्यंजन ☐ संयुक्त व्यंजन ☐ व्यंजन

(घ) कार्य का होना बताने वाले शब्द हैं–

☐ क्रिया ☐ व्याकरण ☐ लिपि

(ङ) जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, वे कहलाते हैं–

☐ विशेष्य ☐ विशेषण ☐ दोनों में से कुछ नहीं

स्वमूल्यांकन पत्र-2

समय: 1 घंटा

नाम : .... **कक्षा :** .... **अनुक्रमांक :** ....

1. दिए गए वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।

(क) खाना विनोद को खिलाओ।

....

(ख) यह दूध गाय का असली हैं।

....

2. दिए गए शब्दों की वर्तनी को शुद्ध कीजिए।

संसकार, सिकक्षा, अदभूत, दुध

3. दिए गए वाक्यों को उनके काल के अनुसार परिवर्तित कीजिए।

(क) माँ ने लड्डू बनाए। (भविष्यत् काल)

(ख) जादूगर ने तमाशा दिखाया। (वर्तमान काल)

(ग) कार्यक्रम में सब नाचेंगे। (भूतकाल)

4. दिए गए वाक्यों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(क) मनुष्य ने सभ्य जीवन कैसे प्राप्त किया?

☐ ईश्वर से ☐ भाग्य से ☐ परिश्रम से

(ख) किस प्रकार के मनुष्य जीवन में सफल रहते हैं?

☐ भाग्यवादी ☐ परिश्रमी ☐ आलसी

5. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) 'परिश्रमी' और 'सभ्य' शब्दों के विलोम लिखिए।

....

(ख) 'सुबह' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

....

(ग) 'सदा सच बोलने वाले व्यक्ति' को क्या कहेंगे?

6. परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व दो छात्रों के बीच हुए संवाद को लिखिए।

7. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए।

(क) अवकाश प्राप्ति के लिए अपने प्रधानाध्यापक को पत्र लिखिए–

(ख) दादा जी को पत्र लिखकर अपनी वार्षिक उन्नति से अवगत कराइए।

8. अपनी पसंद का विषय चुनकर एक शीर्षक सहित कहानी लिखिए, अंत में कहानी से मिलने वाली सीख अवश्य लिखिए।

9. दिए गए गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

संसार का प्रत्येक प्राणी परिश्रम करता है। मनुष्य और पशु–पक्षी, दिन–रात अपने–अपने कामों में जुटे रहते हैं। परिश्रम से ही मनुष्य ने श्रेष्ठ जीवन प्राप्त किया है। परिश्रम के द्वारा असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। जीवन की सफलता परिश्रम करने से ही मिलती है। जो लोग परिश्रम छोड़कर भाग्य का सहारा लेते हैं, वे सफलता प्राप्त नहीं करते, मनुष्य केवल परिश्रम से ही अपना भाग्य बना सकता है। ईश्वर भी केवल परिश्रमी व्यक्ति की ही सहायता करता है। परिश्रम शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार का होता है। परिश्रम से ही सुख और समृद्धि प्राप्त होती है। अतः सदैव परिश्रम की महत्ता को समझ कर जीवन सफल और सार्थक बनाना चाहिए।

दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) जीवन की सफलता किस बात में निहित है?

(ख) मनुष्य ने श्रेष्ठ जीवन किस प्रकार प्राप्त किया है?

(ग) परिश्रम हमें क्या देता है?

(घ) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

10. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए।

(क) दीपावली (ख) मेरा विद्यालय (ग) मेरी माँ (घ) वर्षा ऋतु

(ङ) स्वच्छ भारत